RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 200 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 10 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दिल्ली-यूपी और हरियाणा में महसूस हुए भूकंप के झटके

नई दिल्ली/नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली-एनसीआर में सुबह-सुबह तेज भूकंप के झटके महसूस हुए हैं, जिसके बाद लोग अपने घरों और ऑफिस से बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि भूकंप के झटके दिल्ली, यूपी और हरियाणा के कई इलाकों में महसूस हुए हैं। हरियाणा का झज्जर इस भूकंप का एपिक सेंटर था। वहीं, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई है।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप के झटके सुबह 9.04 पर महसूस किए गए. ये झटके दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, जयपुर समेत हरियाणा के कई इलाकों में महसूस किए गए. भूकंप का केंद्र

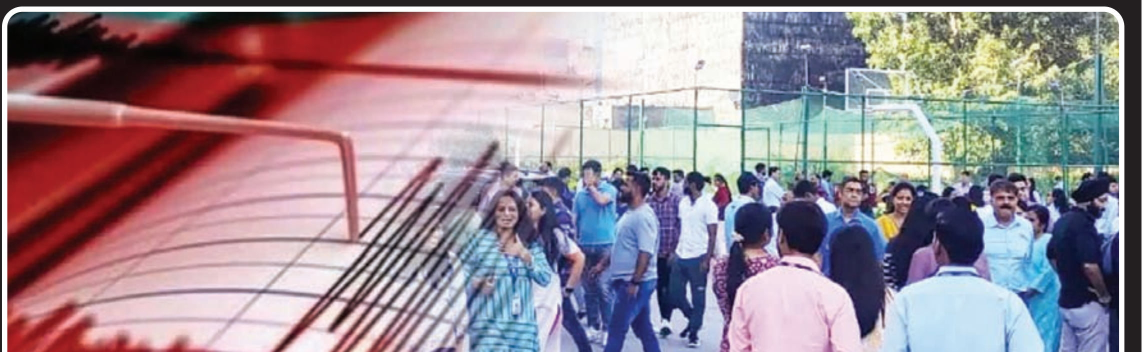

झज्जर में था और लगभग 10 सेकंड के भूकंप से धरती हिलती रही।

रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 रही. भूकंप के झटकों से डरकर लोग घरों और दफ्तरों से निकलकर बाहर भागे। ये भूकंप के झटके हरियाणा के फरीदाबाद, जींद और गुरुग्राम समेत कई शहरों में महसूस हुए।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यीडा में कई अधिकारियों का तबादला

नोएडा से सहायक निदेशक (उद्यान) ज्ञानेन्द्र कुमार व एजीएम शोभा कुशवाहा यूपीसीडा भेजे गए

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण व यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) में बड़े स्तर पर अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। तीनों प्राधिकरणों में तैनात कुछ अधिकारियों को यूपीसीडा में भी भेजा गया है। इन तबादलों के बाद तीनों प्राधिकरण के अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया है।

नोएडा प्राधिकरण में उद्यान विभाग में तैनात सहायक निदेशक ज्ञानेन्द्र कुमार तथा सहायक महाप्रबंधक शोभा कुशवाहा का तबादला यूपीसीडा में कर दिया गया है। वहीं यूपीसीडा तथा इसके पूर्व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में तैनात रहे महाप्रबंधक अशोक कुमार अरोड़ा को नोएडा प्राधिकरण में महाप्रबंधक के तौर पर भेजा गया है।

नोएडा प्राधिकरण में तैनात प्रबंधक (सिविल) आदित्य चौहान का तबादला यूपीसीडा के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी में कर दिया गया है। यूपीसीडा में तैनात अमित कुमार प्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) का तबादला यीडा में कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश औद्योगिक विभाग के संयुक्त सचिव जयवीर सिंह की ओर से देर शाम यह आदेश जारी किए गए हैं। शासन द्वारा तबादलों के क्रम में ग्रेटर नोएडा में तैनात ओएसडी नवीन कुमार सिंह को यूपीसीडा तथा गीडा में तैनात वरिष्ठ स्टाफ अफसर काशी प्रसाद को ग्रेटर नोएडा में तैनाती मिली है। यूपीसीडा के अलीगढ कार्यालय में तैनात मुकेश कुमार सिंह कुशवाहा को ग्रेटर नोएडा वित्त एवं लेखाधिकारी के पद पर भेजा गया है। ग्रेटर नोएडा में तैनात प्रबंधक (प्रशासन) आराधना का तबादला यूपीसीडा में कर दिया गया है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में तैनात प्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) राजवीर वीरेन्द्र सिंह का तबादला यूपीसीडा में कर दिया गया है।

गुरु पूर्णिमा पर सीएम योगी ने किया महायोगी गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन

गोरखपुर (एजेंसी)। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गुरुवार प्रातः काल गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित?यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, योगिराज बाबा गंभीरनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजनों का भी विधि विधान से पूजन-अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की और लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान प्रातः काल 5 बजे से ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

वैसे तो गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं, गुरु गोरखनाथ जी तथा नाथपंथ के गुरुजन का दर्शन-पूजन उनकी दिनचर्या का हिस्सा होता है। पर, गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है। गुरुवार को गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गुरु गोरखनाथ सहित मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण पर सुप्रीम सुनवाई

नागरिकता तय करना गृह मंत्रालय का काम : SC

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इस मामले पर गुरुवार को कोर्ट में सुनवाई हो रही है। चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दस याचिकाएं दायर की गयी हैं जिन पर आज सुनवाई हुई।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ इस पर सुनवाई कर रही है। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण ने कहा कि हम वोटर्स लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दे रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि हम सभी याचिकाओं पर नहीं जाएंगे। वहीं, चुनाव आयोग की पैरवी पूर्व अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल कर रहे हैं।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील गोपाल शंकर नारायण ने कहा कि नियमों को दरकिनार कर ये विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। ये भेदभावपूर्ण

है। कानून से अलग हटकर इसे चलाया जा रहा है। आयोग कहता है कि एक जनवरी 2003 के बाद मतदाता सूची में नाम लिखवाने वालों को अब दस्तावेज देने होंगे। यह भेदभावपूर्ण है।

कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि पहले ये साबित कीजिए कि चुनाव आयोग जो कर रहा है, वह सही नहीं है। गोपाल शंकर नारायण ने कहा कि अपने दावे के प्रमाण में 11 दस्तावेजों को अनिवार्य किया गया है। ये पूरी तरफ से पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पहली जुलाई 2025 को 18 साल की आयु वाले नागरिक वोटर लिस्ट में शामिल हो सकते हैं। वोटर लिस्ट की समरी यानी समीक्षा हर साल नियमित रूप से होती है। इस बार की हो चुकी है। लिहाजा अब करने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि चार कसौटियों पर ये कवायद गलत है। ये कवायद नियमों के खिलाफ है। भेदभावपूर्ण, एकतरफा और मनमानी है. दूसरा कानूनी प्रावधानों का गलत मायना निकाला गया है।

इस पर जस्टिस धूलिया ने कहा कि आपका ये कहना कि ये काल्पनिक है उचित नहीं है। उनका अपना लॉजिक है। जस्टिस धूलिया ने याचिकाकर्ता को कहा कि आप ये नहीं कह सकते कि चुनाव आयोग जो कर रहा है वो कर नहीं सकता। उनके अपने तर्क हैं। चुनाव आयोग ने तारीख तय कर दी है। इसमें आपको क्या आपत्ति है? आप तर्कों से ये साबित करें कि आयोग सही नहीं कर रहा है।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गोपाल शंकर ने कहा कि चुनाव आयोग SIR को पूरे देश में लागू करना चाहता है और इसकी शुरुआत बिहार से की जा रही है। इस पर जस्टिस **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

फिल्म सिटी के भूमि पूजन को लेकर संशय बरकरार

नोएडा (चेतना मंच)। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट के भूमि पूजन को लेकर मंडरा रहे संशय के बादल अभी तक छंटने का नाम नहीं ले रहे हैं। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरूणवीर सिंह के जाने के बाद भी अभी तक भूमि पूजन की तिथि घोषित नहीं हो पा रही है।

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता बोनी कपूर और बिल्डर आशीष भूटानी ने बुधवार को यमुना प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर नये मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह के साथ पहली मुलाकात की।बंद कमरे में लगभग दो घंटे चली बैठक के बाद बाहर निकले दोनों पक्षों ने प्रस्तावित फिल्म सिटी के भूमिपूजन अथवा निर्माण को लेकर कोई खुलासा नहीं किया।

शाम लगभग साढ़े तीन बजे यीडा मुख्यालय पहुंचे बेव्यू फिल्म सिटी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन बोनी कपूर और सहयोगी आशीष भूटानी,अलीराम चेटली, राजीव अरोड़ा ने नये सीईओ राकेश कुमार सिंह के साथ मुलाकात की। इससे पहले सीईओ श्री सिंह ने प्राधिकरण के मातहत अधिकारियों से फिल्म सिटी के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की थी। बोनी कपूर व आशीष भूटानी समेत बेव्यू के पदाधिकारियों के साथ सीईओ ने दो घंटे से अधिक समय तक बैठक की। बैठक में प्राधिकरण के एसीईओ कपिल सिंह,ओएसडी शैलेन्द्र भाटिया व शैलेन्द्र कुमार सिंह भी शामिल रहे।बैठक से बाहर निकले बोनी कपूर ने बातचीत करते हुए फिल्म सिटी के शिलान्यास अथवा निर्माण कार्य शुरू करने को लेकर पत्ते नहीं खोले। उन्होंने फिल्मों की तर्ज पर सस्पेंस बरकरार रखते हुए बस इतना कहा कि शीघ्र ही वो फिर यमुना प्राधिकरण आएंगे। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

दिल्ली- एनसीआर में बारिश ने रोकी रफ्तार, गुरूग्राम का बुरा हाल

नई दिल्ली/नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली एनसीआर में भारी बारिश ने रोकी रफ्तार रोक दी है। दिल्ली में कई जगहों पर लंबा जाम लग गया है। कल शाम से लगातार दिल्ली-एनसीआर में हो रही बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर के कई जगहों पर जलभराव हो गया। सबसे बुरा हाल एनसीआर के शहर गुरूग्राम का हुआ है। जहां बाकायदा प्रशासन ने आज वर्कफ्रॉम होम की एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली-एनसीआर में **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

गुरुग्राम में वर्क फ्राम होम की एडवाइजरी जारी

गुरुग्राम में भारी बारिश को देखते हुए आज भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। गुरुग्राम में बीते 12 घंटों के भीतर रिकॉर्ड 133 मिमी बारिश दर्ज की गई। गुरुग्राम जिला प्रशासन ने एक एडवाइजरी जारी करते हुए सभी निजी व कॉर्पोरेट संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे 10 जुलाई 2025 को अपने कर्मचारियों को 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम करने) की अनुमति दें। प्रशासन ने कहा कि पिछले 12 घंटों में 133 मिमी भारी बारिश के कारण, जिसमें केवल 90 मिनट में 103 मिमी बारिश शामिल है, गुरुग्राम को आईएमडी द्वारा ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है। बारिश के कारण गुरुग्राम के सदर्न पेरिफेरल रोड पर कल रात से एक ट्रक खाई में फंसा हुआ है। यह खाई तब बनी जब ट्रक के चलते सड़क का एक हिस्सा धंस गया।

ग्रेटर नोएडा में सुबह-सुबह धांय-धांय

मुठभेड़ में घायल हुए दो बदमाश, पैर में लगी गोली

ग्रेटर नोएडा/नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में बृहस्पतिवार सुबह-सुबह धॉय-धॉय की आवाज गूंज उठी। थाना दनकौर पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान चली गोली से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। गिरफ्तार बदमाशों ने निर्माणाधीन बिजली घर में कीमती उपकरण चोरी किए थे। वहीं थाना सेक्टर-39 में भी देर रात चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में एक बदमाश घायल हो गया। जबकि चार बदमाशों को कॉम्बिंग के दौरान **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

मुठभेड़ में पांच बदमाश गिरफ्तार

वहीं दूसरी मुठभेड़ देर रात थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में हुई। थाना सेक्टर-39 पुलिस द्वारा चौकी सदरपुर के पास चेकिंग की जा रही थी, तभी एक छोटा हाथी(टाटा ऐस) बिना नम्बर प्लेट व एक ब्रेजा कार में कुछ संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये, जिन्हें चेकिंग के लिए रोकने का इशारा किया गया, परन्तु वह नहीं रुके और सेक्टर-42 की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

सियासी मंच

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में, कुछ दिन पहले, एक मंच सजा था, जिससे वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने और 'शरिया लाओ' की हुंकारें भरी गई थीं। एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया गया था। वह वैचारिक कम और राजनीतिक अधिक आयोजन था। अब उसी मैदान में भगवान परशुराम के जन्म-महोत्सव की आड़ में एक और मंच सजा है-'सनातन महाकुंभ।' इस पूरे कार्यक्रम के आयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे थे। यदि इस मंच से सनातन धर्म पर कुछ उपदेश दिए जाते, विचार रखे जाते और सनातनियों के लिए संदेश दिए जाते, तो आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माना जा सकता था। जगद्गुरु रामभद्राचार्य मुख्य अध्यक्ष थे और बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री मुख्य आकर्षण थे। हालांकि बाबा ने स्पष्ट कहा कि वह राजनीति के लिए नहीं, रामनीति के लिए आए हैं। जब भारत 'हिंदू राष्ट्र' बनेगा, तो बिहार उसका पहला हिंदू-राज्य होगा। बाबा ने आह्वान किया कि बिहार के पागलो! यह गांठ बांध लो कि हमें 'गजवा-ए-हिंद' के स्थान पर 'भगवा-ए-हिंद' देश बनाना है। हम सब हिंदू एक हैं। हिंदुओं को जातियों में मत बांटो।'' बाबा ने फिर यह साफ किया कि जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, हम उन सभी पार्टियों के साथ हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद बाबा पदयात्रा करेंगे। क्या बाबा बागेश्वर के कथनों और आह्वानों से स्पष्ट नहीं होता कि वह किस पार्टी के प्रचार के लिए आए थे? क्या धर्मगुरु का काम धर्म के नाम पर वोट मांगना ही रह गया है? जगद्गुरु रामभद्राचार्य बाबा बागेश्वर से बहुत आगे निकल गए। उन्होंने लालू यादव का नाम लिए बिना ही 'चारा घोटाले' का उल्लेख किया। उन्हें भारत सरकार ने इसी वर्ष 'पद्मविभूषण' से अलंकृत किया है। उन्हें 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार भी मिला है। कथावाचकों को भी 'पद्म' सम्मान मिलने लगा है, किसी ने यह टिप्पणी की होगी, तो जगद्गुरु ने पलटजवाब दिया-'कमोबेश हम पशुओं का चारा नहीं खाते।' रामभद्राचार्य ने भविष्यवाणी-सी की है कि इस बार राष्ट्र-विरोधियों, हिंदू-विरोधियों और राम-विरोधियों को सत्ता नहीं दी जाएगी। सत्ता उन्हें ही मिलेगी, जो हिंदुओं के लिए संघर्ष करेंगे, क्रांति करेंगे। रामभद्राचार्य ने लगभग हुंकार के अंदाज में यह भी कहा-'जो सनातन को बांटना चाहेगा, वह स्वयं बंट जाएगा। जो काटना चाहेगा, वह स्वयं कट जाएगा। जो सनातन को मिटाना चाहेगा, वह स्वयं मिट जाएगा। हम राष्ट्र-विरोधियों का दमन करेंगे।'' क्या ये शब्द किसी साधु-संत के प्रतीत होते हैं? क्या ये शब्द उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान सरीखे समानार्थी नहीं हैं? जगद्गुरु विचारोत्तेजक लगे, आक्रोशित लगे। यह मुद्रा जगद्गुरु की नहीं हो सकती। भगवान परशुराम पर कुछ शब्द भी समर्पित नहीं किए गए। रामभद्राचार्य और धीरेंद्र शास्त्री के वक्तव्य राजनीतिक बिंदुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित रहे। क्या धर्माचार्यों की भूमिका भी बिल्कुल राजनीतिक हो गई है? दोनों साधु-संत भाजपा के प्रमुख प्रचारक की भूमिका में प्रतीत हुए। लिहाजा स्पष्ट लगता है कि चुनाव हिंदू-मुसलमान ध्रुवीकरण के आधार पर लड़े जाएंगे। आयोजन में अनेक साधु-संत उपस्थित थे। मुस्लिम राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खां और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी मंच पर मौजूद थे। किसी भी वक्ता ने बिहार की गरीबी, अनपढ़ता, पिछड़ेपन, पलायन आदि बुनियादी समस्याओं पर एक भी शब्द नहीं बोला। आयोजन को 'महाकुंभ' नाम देकर इस शब्द का अपमान किया गया। बिहार में जो 'जंगलराज' 20 साल पहले था, कमोबेश वह आज भी मौजूद है। इसी साल अभी तक 116 कत्ल किए जा चुके हैं। बलात्कार, डकैती, फिरौती आदि अपराधों को तो भूल ही जाएं। तब मुख्यमंत्री लालू यादव या राबड़ी देवी होते थे, बीते 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। सरेआम हत्याएं आज क्यों हो रही हैं? साधु-संतों के सरोकार सामाजिक भी होते हैं। यदि उन्होंने ऐसे मुद्दे भी छुए होते, तो विचार व्यापक लगते। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने 'जातीय गणना' का भी विरोध किया।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे देवताओं के स्वामी, सेवकों को सुख देने वाले, शरणागत की रक्षा करने वाले भगवान! आपकी जय हो! जय हो!! हे गो-ब्राह्मणों का हित करने वाले, असुरों का विनाश करने वाले, समुद्र की कन्या (श्री लक्ष्मीजी) के प्रिय स्वामी! आपकी जय हो! हे देवता और पृथ्वी का पालन करने वाले! आपकी लीला अद्भुत है, उसका भेद कोई नहीं जानता। ऐसे जो स्वभाव से ही कृपालु और दीनदयालु हैं, वे ही हम पर कृपा करें॥ ब्रह्माजी ने साधु-साधु कहकर बड़ाई की॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जय जय अबिनासी सब घट बासी ब्यापक परमानंदा।
अबिगत गोतीतं चरित पुनीतं मायारहित मुकुंदा॥
जेहि लागि बिरागी अति अनुरागी बिगत मोह मुनिबृंदा।
निसि बासर ध्यावहिं गुन गन गावहिं जयति सच्चिदानंदा॥

हे अविनाशी, सबके हृदय में निवास करने वाले (अन्तर्यामी), सर्वव्यापक, परम आनंदस्वरूप, अज्ञेय, इन्द्रियों से परे, पवित्र चरित्र, माया से रहित मुकुंद (मोक्षदाता)! आपकी जय हो! जय हो!! (इस लोक और परलोक के सब भोगों से) विरक्त तथा मोह से सर्वथा छूटे हुए (ज्ञानी) मुनिवृन्द भी अत्यन्त अनुरागी (प्रेमी) बनकर जिनका रात-दिन ध्यान करते हैं और जिनके गुणों के समूह का गान करते हैं, उन सच्चिदानंद की जय हो॥

जेहिं सृष्टि उपाई त्रिबिध बनाई संग सहाय न दूजा।
सो करउ अघारी चिंत हमारी जानिअ भगति न पूजा॥
जो भव भय भंजन मुनि मन रंजन गंजन बिपति बरूथा।
मन बच क्रम बानी छाडि सयानी सरन सकल सुरजूथा॥

जिन्होंने बिना किसी दूसरे संगी अथवा सहायक के अकेले ही (या स्वयं अपने को त्रिगुणरूप- ब्रह्मा, विष्णु, शिवरूप- बनाकर अथवा बिना किसी उपादान-कारण के अर्थात? स्वयं ही सृष्टि का अभिन्ननिमित्तोपादान कारण बनकर) तीन प्रकार की सृष्टि उत्पन्न की, वे पापों का नाश करने वाले भगवान हमारी सुधि लें। हम न भक्ति जानते हैं, न पूजा, जो संसार के (जन्म-मृत्यु के) भय का नाश करने वाले, मुनियों के मन को आनंद देने वाले और विपत्तियों के समूह को नष्ट करने वाले हैं। हम सब देवताओं के समूह, मन, वचन और कर्म से चतुराई करने की बान छोड़कर उन (भगवान) की शरण (आए) हैं॥

(क्रमशः...)

बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बताए

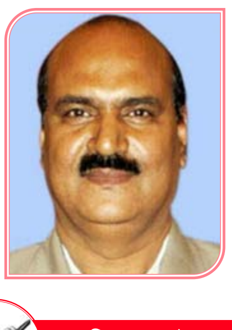

सच्चिदानंद वर्मा

आज (10 जुलाई) गुरूपूर्णिमा पर विशेष

गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति श्रद्धा, भक्ति व आदर प्रकट करने का दिन है। हालांकि शिष्यों के हृदय में गुरु प्रतिपल रहते हैं। लेकिन शिष्यों के लिए अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए यह दिन विशेष अवसर के रूप में आता है। जरूरी नहीं कि गुरु सशरीर ही हों, गुरु देह त्याग चुके भी हो सकते हैं । हम आपको याद दिला दें कि हम यहां शिक्षा गुरु की बात नहीं कर रहे हैं। उनके लिए शिक्षक दिवस है। यहां हम उस गुरु की बात कर रहे हैं जिन्होंने ईश्वर प्राप्त कर लिया है तथा जो अपने शिष्यों को आत्मसाक्षात्कार का मार्ग दिखाते हैं।

ईश्वर प्राप्ति अर्थात आत्म साक्षात्कार के मार्ग पर चलने वालों के लिए गुरु का मिलना जरूरी है,गुरु के बिना ईश्वर की प्राप्ति कठिन ही नहीं दुर्लभ है तथा यह बात भी सत्य है कि ईश्वर की कृपा से ही गुरु की प्राप्ति होती है। बंगाल की महान महिला संत आनंदमयी मां कहती हैं कि जैसे हम किसी अधिकारी या मंत्री से मिलने के पूर्व उनके सचिव से संपर्क करते हैं वैसे ही ईश्वर प्राप्ति के लिए हम गुरु को साधते हैं। इसलिए गुरु का दर्जा काफी ऊंचा है। संत कबीर ने तो यहां तक कह दिया कि 'गुरु गाविंद दोउ खड़े काके लागूं पाय, बलिहारी गुरु आपनो जिन गोविंद दियो बताए। ' अथार्त कबीर ने गुरु का दर्जा ईश्वर से भी ऊंचा दिया है। कबीर ने यह भी कहा कि गुरु की महिमा वर्णनातीत है।इसे समुद्र को स्याही और धरती को कागज समझ कर भी नहीं लिखा जा सकता।लेकिन बिना शिष्य के गुरु भी अधूरा महसूस करता है। 19 वीं शताब्दी के महान संत रामकृष्ण परमहंस तो रो रो कर अपने शिष्यों को पुकारते थे कि कहां हो तुम लोग सामने क्यों नहीं आ रहे हो। मां काली ने उनसे कहा था कि तुम्हारे अनेक शिष्य होंगे जो समय के अनुसार मिलेंगे। लेकिन रामकृष्ण अपने शिष्यों से मिलने के लिए इतने आतुर थे कि विलंब होने पर वे रो रो कर पुकारते थे कि क्यों नहीं तुम लोग आ रहे हो।कालातंर में उनके अनेक शिष्य हुए जिनमें से एक विवेकानंद को दुनिया जानती है। 20वीं सदी के दक्षिण भारत के महान संत रमण महर्षि बताते हैं कि गुरु अपने शिष्य के ईश्वर प्राप्ति की राह में आने वाले बाधाओं को दूर कर देता है। गुरु ही परमात्मा है। गुरु दिखता है तो मनुष्य की तरह लेकिन वह ईश्वर सदृश्य होता है।

भारत के संतों के अनुसार गुरु धरती पर सिर्फ इसलिए अवतार लेते हैं ताकि वे मनुष्यों का उद्धार कर सकें।विशेषकर उन लोगों का जो जीवन मरण के दुष्चक्र से छुटकारा पाना चाहते हैं।गुरु उन्हें मुक्ति का मार्ग दिखाते हैं तथा भवसागर पार करा देते हैं। रामाश्रम सत्संग के परमगुरु श्रीकृष्णलाल ने तो अपने शिष्य व उत्तराधिकारी डॉ करतार सिंह की आत्मउन्नति के लिए खुद ही साधना किए थे। गुरु जाति , संप्रदाय,धर्म व देश तक सीमित नहीं होते हैं। वे पूरे संसार के लिए होते हैं। असल में , गुरु मनुष्य के रूप में साक्षात ईश्वर ही होते हैं। वो जो बोलते हैं वह सब ईश्वर उनसे बुलवाते हैं। हमें गुरु में पूर्ण निष्ठा व समर्पण होना चाहिए। जब हम गुरु में समस्वर हो जाते हैं तो वे हमारे सारे कर्म अपने ऊपर ले लेते हैं। फिर वे हमारे जीवन को अपनी योजनानुसार चलाते हैं। गुरु में तीन गुण होते हैं। वे सर्वज्ञ ,सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापक होते हैं। भगवान महावीर हो या महात्मा बुद्ध सभी ने अपने शिष्यों को सद्मार्ग पर चलना सिखाया था। हमारे गुरु परमहंस योगानंद ने अपनी विश्व विख्यात पुस्तक योगी कथामृत में लिखते हैं कि महावतार बाबाजी ने अपने शिष्य योगावतार लाहिडी महाशय से बोला था कि पश्चिम देशों के अनके मुमुक्षुओं के ज्ञान स्पंदन बाड की भांति मेरी ओर आते रहते हैं। मैं अमेरिका और यूरोप में संत बनने योग्य अनेक लोगों को देख रहा हूं,जिन्हें जगाए जाने भर की देर है। उन्होंने लाहिडी महाशय द्वारा सारे संसार को क्रिया योग दिया जिसके द्वारा ईश्वर प्राप्ति के इच्छुक लोग आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर रहे हैं।इसी क्रिया योग के प्रचार प्रसार के लिए महावतार बाबाजी ने परमहंस योगानंद को चुना था जिनको प्रशिक्षित करने का जिम्मा महाअवतार बाबाजी ने ज्ञानावतार स्वामी श्रीयुक्तेश्वर जी को दिया था।परमहंस योगानंद ने गुरु शिष्य परंपरा को आगे बढाया और इसका परिणाम है कि आज आध्यात्म के क्षेत्र में तरक्की के लिए पूरा विश्व भारत की ओर आकर्षित हो रहा है। पूरे विश्व में परमहंस योगानंद के अनुयायी हैं जो उनके बताए मार्ग राजयोग पर चल कर ईश्वरानुभूति में आनंदित हैं।उन्होंने पूरे संसार को ज्ञान का भंडार दिया है।अनेक पुस्तक व धर्मग्रंथों पर भाष्य लिखा है। ईश्वर प्राप्ति के इच्छुक भक्तों के लिए एक विशेष पाठ्यमाला भी है। परमहंस योगानंद ने भारत में योगदा सत्संग सोसायटी व अमेरिका में सेल्फ रिएलाइजेशन फेलोशिप स्थापित कर अपने शिष्यों के लिए अनेक आश्रम व सेंटर खोल दिए थे। जहां आत्मसाक्षात्कार के लिए आतुर उनके अनेक शिष्य प्रशिक्षित हो रहे हैं।गुरु पूर्णिमा ऐसे ही गुरुओं के प्रति प्रेम, भक्ति व कृतज्ञता को प्रकट करने के अवसर के रूप में आता है।

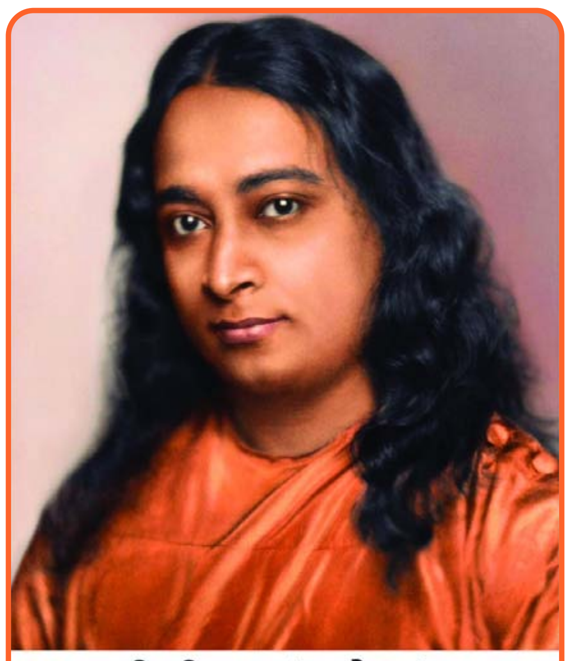

श्री श्री परमहंस योगानंद

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तंभकार हैं)

'जल गंगा संवर्धन अभियान' से प्रदेश होगा जल-समृद्ध

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने अभिनव प्रयोगों से अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के लिए प्रारंभ हुआ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी पहल है। निकट भविष्य में हमें इसके सुखद परिणाम दिखायी देंगे। शुभ प्रसंग पर शुभ संकल्प के साथ जब कोई कार्य प्रारंभ किया जाता है, तब उसकी सफलता के लिए प्रकृति एवं ईश्वर भी सहयोग करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश सरकार ने गुड़ी पड़वा (30 मार्च) से 30 जून तक प्रदेश स्तरीय 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाकर जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जो जनांदोलन में परिवर्तित हो गया। सरकार को भी विश्वास नहीं रहा होगा कि जल संरक्षण जैसे मुद्दे को जनता का इतना अधिक समर्थन मिलेगा कि सरकारी अभियान असरकारी बन जाएगा और समाज इस अभियान को अपनी जिम्मेदारी के तौर पर स्वीकार कर लेगा। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत और इससे प्रेरित होकर प्रदेश में अनेक स्थानों पर जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया गया, उनको व्यवस्थिति किया गया और वर्षा जल को एकत्र करने की रचनाएं बनायी गईं। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल और प्रतिबद्धता ने जल संरक्षण के इस अभियान को एक जनांदोलन का रूप दे दिया है, जिससे जल संरक्षण में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है। इस अभियान में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सक्रिय सहयोग मिला, जिन्होंने जल संवर्धन के संदेश को घर-घर तक पहुँचाया। ये जलदूत जब गाँव-गाँव, नगर-नगर और घर-घर जल संरक्षण का संदेश लेकर पहुँचे तो एक सकारात्मक वातावरण भी बना और जल संरक्षण को लेकर समाज के भीतर एक जागरूकता भी आई। निस्संदेह, यदि यह जनजागरूकता स्थायी हो जाए तो जल गंगा संवर्धन अभियान की सबसे बड़ी सफलता होगी। अभियान को शुरू करते समय सरकार ने जो लक्ष्य तय किया था, उससे कहीं अधिक परिणाम धरातल पर प्राप्त हुआ है। जल संरक्षण के लिए 38 हजार नए खेत तालाबों का निर्माण किया गया है। खंडवा जिले में 254 करोड़ रुपये की लागत से 1 लाख से अधिक कुओं को रिचार्ज किया गया, जिसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इंदौर संभाग ने स्वच्छता और जल

संरक्षण में नंबर-एक का स्थान हासिल किया है। ये दो प्रमुख उदाहरण हैं। प्रदेश के अन्य जिलों में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। समूचे मध्यप्रदेश में 70 हजार कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों का संरक्षण किया गया, जो जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करनेवाले हैं।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित हैं। याद हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण के लिए जनांदोलन चलाने का आह्वान किया था। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह किया कि वह अपने स्तर पर वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रयास करे। प्रधानमंत्री मोदी की पहलकदमी पर भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत 'कैच द रेन' अभियान को शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान व्यक्तियों, समुदायों और सभी हितधारकों को वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाने तथा जल संरक्षण की पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इसी तर्ज पर 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को जनता के बीच ले जाने का अनुकरणीय कार्य किया है। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव, दोनों ही प्रकृति, पर्यावरण एवं समाज के प्रति गहरी संवेदनाएं रखते हैं। राजनीति से इतर वे इन सब विषयों पर बात रखते हैं और लोगों को इस दिशा में प्रेरित भी करते हैं। उल्लेखनीय है कि अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 120वें संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण को देश के लिए अत्यंत आवश्यक बताया था। उन्होंने जल संचय जन-भागीदारी अभियान के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि 卐जो प्राकृतिक संसाधन हमें मिले हैं, उसे हमें अगली पीढ़ी तक सही सलामत पहुँचाना है卐। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान ने प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अकसर सरकारी अभियान विज्ञापनों एवं कागजों में दम तोड़ देते हैं या फिर उनकी सफलता सोशल मीडिया तक सीमित रह जाती है। यह आंदोलन अपने वांछित लक्ष्य से आगे निकल रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। उनका मानना है कि जल ही हमारे जीवन के अस्तित्व का आधार है, इसलिए इसकी एक-एक बूंद बचाना अनिवार्य है। उनकी गहरी प्रतिबद्धता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस अभियान की देखरेख की जिम्मेदारी सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को सौंपी है। लोग बड़ी संख्या में श्रमदान कर पानी को बचाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। जिला प्रशासन विशेष रूप से नदियों के किनारे देशी प्रजातियों के पौधे रोप रहा है। इससे जमीन के नीचे जल-स्तर बढ़ रहा है और मिट्टी को नुकसान से बचाया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य कर दिया गया है। स्कूल और कॉलेजों में जल-संरक्षण पर जन-जागरण अभियान, रैलियां, निबंध प्रतियोगिताएं, जल संवाद और 'जल प्रहरी' जैसी गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग और मूल्यांकन प्रणाली की व्यवस्था की गई है, जिसमें सभी गतिविधियों की जीआईएस ट्रैकिंग और इंपैक्ट वैल्यूएशन किया जा रहा है। सरकार ड्रोन से सर्वेक्षण, वैज्ञानिक तरीके से जलग्रहण क्षेत्र की मैपिंग और भू-जल पुनर्भरण तकनीकों का उपयोग कर रही है। इन सब प्रबंधों से स्पष्ट तौर पर प्रतीत होता है कि प्रदेश सरकार का यह अभियान मुख्यमंत्री के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यों में से एक है। इस अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना ही नहीं, बल्कि उनकी निरंतर देखरेख और संरक्षण सुनिश्चित करना भी है। सरकार ने इन स्रोतों की सफाई, सीमांकन और पुनर्जीवन के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया है। लोग बड़ी संख्या में श्रमदान कर जल संरक्षण में सहयोग कर रहे हैं।

इस अभियान के दूरगामी परिणाम अपेक्षित हैं। बारिश के मौसम में इसके और अधिक प्रभावी परिणाम दिखेंगे, जिससे भूजल स्तर में सुधार होगा, हरियाली बढ़ेगी और मिट्टी में नमी आएगी। इससे पूरे प्रदेश में जल संकट को दूर करने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा, इस अभियान ने समाज की मनोवृत्ति पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है, जिससे जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह अभियान निश्चित रूप से मध्यप्रदेश को जल-समृद्ध राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

- लोकेन्द्र सिंह

राशिफल

आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष गुरू पूर्णिमा | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। भाग्यवश कुछ काम बनेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। थोड़ा बचकर पार करें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं। प्रेम-संतान साथ होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। शत्रु उपद्रव संभव है लेकिन शत्रु शमन भी होगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृहकलह के संकेत हैं। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी होगी। स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम-संतान का साथ व व्यापार बहुत अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान का साथ।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन का आगमन बढ़ेगा। कुटुंब सुख का लाभ लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान भी अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं होंगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। ओजस्वी-तेजस्वी बने रहेंगे।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन चिंतित रहेगा। घबराहट, बैचेनी बनी रहेगी। खर्च की अधिकता होगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय के नए स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सरकारी तंत्र से लाभ होगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

शारदा विश्वविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान नीम, पीपल, जामुन, अमरूद, आम समेत विभिन्न प्रजातियों के स्टाफ और छात्रों ने पौधे लगाए। इस दौरान विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर वाईके गुप्ता ने कहा कि अभियान को तेज करने और इसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए नई पीढ़ी को जागरूक करना जरूरी है। इस काम में विद्यालय सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। शिक्षक नई पीढ़ी को पौधारोपण के फायदे बताने के साथ-साथ इनकी देखभाल की जिम्मेदारी का पाठ पढ़ा सकते हैं। कक्षा में हर विषय को पौधों के महत्व के साथ जोड़कर इस अभियान को एक नई दिशा दी जा सकती है।

विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा ने कहा कि पौधारोपण को लेकर समाज को जागरूक करने में स्कूल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए नई पीढ़ी को जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें प्रोत्साहित करने की भी जरूरत है। पौधा रोपित करने के बाद उसकी देखभाल करने पर प्रोत्साहन मिलने पर ज्यादा से ज्यादा युवा व बच्चे इस अभियान से जुड़ेंगे। इसके साथ ही पौधों को रिश्तों से जोड़ कर उनकी देखभाल करनी होगी।

इस दौरान डॉ भुवनेश कुमार, डॉ आरसी सिंह,आरडी सहाय,डॉ शांति नरायाण,डॉ सुमन लता धर,डॉ क्रिस्टा मैथ्यू समेत विभिन्न विभाग के डीन और एचओडी मौजूद रहे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मंडी समिति परिसर में हुआ पौधारोपण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा फेस-2 स्थित कृषि उत्पादन मंडी समिति के परिसर में कल एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समिति के अधिकारियों द्वारा नीम, पीपल, जामुन, अमरूद, आम समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

इस मौके पर संभागीय उपनिदेशक (प्रशासन एवं विपणन)राजीव राय ने कहा कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण और पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया तथा इस कार्य को एक सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का संदेश दिया।

श्री राय ने कहा कि इस अभियान को व्यापक स्तर पर फैलाने और इसे सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुँचाने के लिए नई पीढ़ी को जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि पौधारोपण के अनेक लाभ हैं, लेकिन इसके साथ-साथ पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी हम सभी की है। इस मौके पर मंडी समिति के सचिव पंकज कुमार शर्मा ने कहा कि हम पौधे को केवल प्रकृतिक संसाधन के रूप में न देखकर उनकी उसी श्रद्धा के और सर्म्पण से सेवा करें। जैसा हम अपनी मां की करते हैं। इस अवसर पर भारी संख्या में समिति के लोग मौजूद रहे।

रामलीला समिति की हुई बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी सूरजपुर की एक बैठक आगामी विजयदशमी महोत्सव रामलीला मंचन को लेकर बाबा मोहन राम मंदिर, सूरजपुर में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता श्री आदर्श रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सत्यवीर भाटी ने की। बैठक का संचालन महामंत्री सत्यपाल शर्मा ने किया।

बैठक में अध्यक्ष सत्यवीर भाटी ने बताया कि रामलीला मंचन के लिए समिति द्वारा आज मेरठ से आए कलाकारों के द्वारा मंचन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से राजा जनक द्वारा सीता जी के लिए स्वयंवर, राजा दशरथ, रानी कैकेयी, लक्ष्मण, परशुराम, हनुमान, रावण की प्रस्तुतियाँ की गईं।

दशहरा विजय महोत्सव रामलीला के मंचन की धनराशि कोष को लेकर भी चर्चा की गई, जिसमें मुख्य रूप से संरक्षक भूदेव शर्मा, मूलचंद शर्मा, प्रबंधक लक्ष्मण सिंघल, महामंत्री सत्यपाल शर्मा, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, डॉ. ओम प्रकाश शर्मा, कोषाध्यक्ष विशाल गोयल, राजेश ठेकेदार, सुनील सोनक, सुभाष शर्मा, विनोद पंडित, धर्मवीर भाटी, विशाल कुमार, अरुण शर्मा, एडवोकेट अनिल देवा, पंडित योगेश अग्रवाल आदि दर्जनों कलाकारों के साथ सैकड़ों रामलीला कमेटी सदस्य उपस्थित रहे।

ट्रेड यूनियनों ने किया दर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) के जरिए काम के घंटे, न्यूनतम वेतन व सामाजिक सुरक्षा पर भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे हमलों के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियन और स्वतंत्र औद्योगिक फेडरेशन व अन्य सहयोगी संगठनों के संयुक्त आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत आज जनपद गौतम बुध नगर के मजदूरों ने अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्र में हड़ताल कर जुलूस निकालकर जोरदार प्रदर्शन कर अपने हक अधिकारों की हिफाजत के लिए आवाज बुलंद किया।

सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि हड़ताल अपने मकसद में पूर्ण रूप से सफल रही। ट्रेड यूनियन की ओर से उन्होंने हड़ताल को सफल बनाने के लिए जनपद के सभी कामगारों को बधाई दी और कहा कि आज तो एक दिन की हड़ताल किया है अगर मांगे नहीं मानी गई तो आने वाले समय में 3 दिन की हड़ताल या और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता इन्दर नागर ने बधाई दी।

लीजबैक के प्रकरणों पर 10 जुलाई को प्रस्तावित सुनवाई टली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसानों के लीज बैक के प्रकरणों को निस्तारित करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से आगामी 10 जुलाई को प्रस्तावित सुनवाई स्थगित कर दी गई है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी भूलेख गिरीश कुमार झा ने बताया कि 10 जुलाई को शासन की महत्वपूर्ण बैठक के चलते यह सुनवाई स्थगित करनी पड़ी है। लीज बैक के प्रकरणों पर सुनवाई की अगली तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। किसानों की मांग पर लीज बैक के प्रकरणों को निस्तारित करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की आबादी व्यवस्थापन के लिए बनी समिति ने पुनः सुनवाई कर रही है।

Happy Anniversary

नोएडा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अमरेश श्रीवास्तव की आज 25वीं शादी की साल गिरह पर नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में अपनी पत्नी के साथ पूजा अर्चना करते हुए।

आईआईए नोएडा चैप्टर की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। आईआईए नोएडा चैप्टर की प्रथम कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन क्लब 26 सेक्टर 26, नोएडा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बैठक की अध्यक्षता चैप्टर चेयरमैन नवीन गुप्ता ने की। जबकि संचालन सचिव साहिल कुमार द्वारा किया गया। सचिव साहिल कुमार ने पिछले माह की चैप्टर गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया, चेयरमैन नवीन गुप्ता ने गतिविधियों का समग्र अवलोकन एवं समीक्षा बैठक में साझा की। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने 1 जुलाई 2025 के आईआइए का नया सत्र (2025-2026) प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर चैप्टर चेयरमैन नवीन गुप्ता ने सभी कार्यकारिणी सदस्यों को कार्यभार का दायित्व सौंपा इस उपलब्धि पर चेयरमैन नवीन गुप्ता ने सभी सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद एवं सराहना व्यक्त की।

सचिव साहिल कुमार ने आगामी जनरल बिजनेस मीट का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जिसे सभी सदस्यों ने एकमत से स्वीकृति प्रदान की। बैठक का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। अंत में सचिव साहिल कुमार ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट किया।

Name Change

This is to inform you that I meher mittal. flat No-82, Sector- MU- 02 Greater Noida, Gautam Buddh Nagar, (U P.) have change my name meher to mehar mittal, that both the names meher & meher mittal are Same Person that is my correct name is mehar mittal all future purpose.

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

एक पौधा मां के नाम, अभियान से ग्रेनो को हरा-भरा बनाने का संकल्प

दादरी विधायक व भाजपा जिलाध्यक्ष ने सेक्टर ईटा वन में लगाए पौधे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पौधरोपण के लक्ष्य की प्राप्ति और ग्रेटर नोएडा को हरा-भरा बनाने के मकसद से बुधवार को बृहद पौधरोपण अभियान चलाया गया। ग्रेटर नोएडा में दादरी विधायक तेजपाल नागर और जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने सेक्टर ईटा वन की ग्रीन बेल्ट में पौधरोपण कर इस अभियान का आगाज किया। इसके बाद केंद्रीय विहार, मिलक लच्छी के पास और ईकोटेक-3 सहित तमाम जगहों पर पौधे लगाए गए। पौधे लगाने में प्राधिकरण अधिकारियों-कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

दरअसल, शासन की तरफ से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को 1.25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य मिला, लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने इस लक्ष्य में और इजाफा करते हुए 2.07 लाख कर दिया। इस लक्ष्य को पाने के लिए उद्यान विभाग के साथ ही प्राधिकरण के अन्य विभागों की टीम भी जुट गई। बुधवार को दादरी विधायक तेजपाल नागर और जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने सेक्टर ईटा वन की ग्रीन बेल्ट में पौधरोपण किया। यहां पर प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और ओएसडी गुंजा, डीजीएम उद्यान संजय कुमार जैन, वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्र, सहायक निदेशक और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से पौधरोपण अभियान के नोडल ऑफिसर बुद्ध विलास, प्रबंधक प्रशांत समाधिया व प्रबंधक मिथलेश कुमार, सहायक प्रबंधक हरिंदर सिंह आदि ने भी पौधे लगाए।

यहां पर ग्रेड इंटरनेशनल स्कूल और केसी ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने भी पौधरोपण अभियान में हिस्सा लिया। सेक्टर पी-4 स्थित केंद्रीय विहार में जेवर विधायक प्रतिनिधि संजय प्रताप सिंह पौधरोपण किया। फ्लोरीकल्चर सोसाइटी के साथ आयोजित इस पौधरोपण अभियान में भी एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और ओएसडी गुंजा सिंह व अन्य अधिकारीगण यहां भी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश शासन में प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने मिलक लच्छी (टेकजोन-7) की ग्रीन बेल्ट में पौधरोपण किया, जिसमें श्रीलक्ष्मी वीएस के अलावा डीजीएम उद्यान संजय कुमार जैन, वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्र, सहायक निदेशक नथोली सिंह, सहायक निदेशक बुद्ध विलास, प्रबंधक प्रशांत समाधिया व प्रबंधक मिथेलेश कुमार आदि मौजूद रहे। ईएक्सएल और गिव मी ट्री एनजीओ के सहयोग से कार्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सबिलिटी के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण नेय हां पौधरोपण कराए। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ सेक्टर ईकोटेक-3 के पार्क में पौधे लगाए। उनके साथ जीएम नियोजन लीनू सहगल, ओएसडी गिरीश कुमार झा, ओएसडी नवीन कुमार सिंह, ओएसडी रामनयन सिंह, डीजीएम संजय कुमार जैन, वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक पीपी सिंह ने भी पौधे लगाए। इस अवसर पर एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का मकसद लोगों को पेड़ों के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ना है, ताकि लोग इन पेड़ों की देखभाल मां की तरह ही करें। उन्होंने उद्यान विभाग से इन पौधों के रखरखाव पर भी फोकस करने को कहा है। इस दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय, महासचिव सुनील दत्त शर्मा व अन्य प्रतिनिधि शामिल रहे।

शाहबुद्दीन बने युवा कांग्रेस के आगरा के संगठन सृजन प्रभारी

नोएडा (चेतना मंच)। युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव (प.उप्र.) शाहबुद्दीन को आगरा जनपद में युवा कांग्रेस का संगठन सृजन प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी विनीत कंबोज, राष्ट्रीय सचिव प्रभारी इकबाल और प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

शाहबुद्दीन ने कहा कि वे आगरा युवा कांग्रेस के सक्रिय जिलाध्यक्ष के साथ मिलकर मजबूत संगठन का निर्माण बूथ स्तर तक करने का प्रयास करेंगे।

खास खबर

विमान के इंजन की चपेट में आया युवक, मौत

रोम। इटली के मिलान में ओरियो अल सेरियो एयरपोर्ट पर 35 साल का एक शख्स उड़ान भरने की तैयारी में लगे विमान के इंजन में खिंच गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह शख्स रनवे पर आया और वहां खड़े वोलोटिया एयरलाइंस के एयरबस ए319 विमान के इंजन की चपेट में आ गया। हादसे के वक्त विमान स्पेन के एस्ट्रियास जाने के लिए पुशबैक कर रहा था। यह वही प्रक्रिया होती है, जिसमें विमान को गेट से टैक्सीवे की ओर पीछे की ओर धकेला जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक ने पहले एयरपोर्ट टर्मिनल में गलत दिशा से प्रवेश किया, फिर अपनी कार वहीं छोड़कर आगमन क्षेत्र तक पहुंच गया। इसके बाद वह एक सुरक्षा दरवाजा खोलकर दौड़ता हुआ रनवे पर पहुंच गया, जहां हादसा हुआ। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि मृतक यात्री था या एयरपोर्ट का कर्मचारी।

फर्जी पुलिसकमी साहिल गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 23 वर्षीय साहिल नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया है, जो खुद को फर्जी पुलिसकर्मी बताकर दिल्ली पुलिस की महिलाकर्मियों और अन्य महिलाओं को निशाना बनाता था। साहिल, जो अलवर, राजस्थान का निवासी है, सोशल मीडिया पर दिल्ली पुलिस की वर्दी में तस्वीरें पोस्ट करता था और इतना ही नहीं दिल्ली पुलिस के एक कार्यक्रम में हथियार के साथ अपनी तस्वीर लगाकर खुद को दिल्ली पुलिस का सब-इंस्पेक्टर बताता था। साहिल दिल्ली पुलिस का अधिकारी बनकर महिलाओं को, खासकर दिल्ली पुलिस में कार्यरत महिला पुलिसकर्मियों को निशाना बनाता था। वह लड़कियों से दोस्ती करने के लिए फर्जी प्रोफाइल, दिल्ली पुलिस की वर्दी और फर्जी पहचान पत्र का इस्तेमाल करता था। सालिल ने दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर के नाम से कई सोशल मीडिया आईडी बना रखी थीं। उसके पास से फर्जी पहचान पत्र, दिल्ली पुलिस की वर्दी, फर्जी नियुक्ति पत्र, मुहर के निशान और दिल्ली पुलिस की मुहर लगे दस्तावेज बरामद हुए हैं।

इंदौर में बीएसएफ की पेंशन अदालत

इंदौर । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने आज इंदौर में सफलतापूर्वक 53वीं पेंशन अदालत का आयोजन किया। केंद्रीय आयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय (सीएसडब्ल्यूटी) में आयोजित इस अदालत में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के इरत्र के सेवानिवृत्त कार्मिकों की पेंशन संबंधी समस्याओं का निवारण किया गया। महानिरीक्षक आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में वेतन एवं लेखा विभाग, भारतीय स्टेट बैंक और सीएसडब्ल्यूटी के अधिकारी मौजूद रहे। लगभग 100 सेवानिवृत्त कार्मिकों की पेंशन से संबंधित समस्याओं को सुना गया और उनका तत्काल समाधान किया गया। व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हो सकने वाले पूर्व सैनिक ऑनलाइन या पत्राचार के माध्यम से जुड़े। बीएसएफ वर्ष में दो बार ऐसी अदालतों का आयोजन करता है और इंदौर के साथ-साथ यह कोलकाता व जोधपुर में भी आयोजित की जा रही है।

गंभीरा ब्रिज ढहा, नदी में गिरे कई वाहन, 9 की मौत

एजेंसी

वडोदरा। राज्य में मध्य गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ने वाली महिसागर नदी पर बना पुल के अचानक ढहने से कई वाहन नदी में गिरने नौ लोगों की मौत हो गई है। जबकि आठ लोगों को बचा लिया गया। घटना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक जताया और प्रधानमंत्री राहतकोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को पचास-पचास हजार रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया। मुख्यमंत्रीभूपेन्द्र पटेल ने भी राज्य सरकार की ओर से भी मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख और घायलों को पचास-पचास हजार रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। मध्य गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ने वाली महिसागर नदी पर बना पुल लगभग 45 साल पुराना है। बुधवार सुबह यातायात के दौरान दो ट्रक, दो पिकअप और एक रिक्शा महिसागर नदी में गिर गए। पुल के टूटने और कई वाहनों के गिरने से मौके पर हाहाकर मच गया। घटना की जानकारी होने पर मुजपुर समेत आसपास के गांवों के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। मुजपुर गांव के ग्रामीण बचाव कार्य के लिए जुट गए और नदी में फंसे व बहते लोगों को कई लोगों को बचाया। इस हादसे में अभी तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 8 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पादरा पुलिस भी मौके पर पहुंची गई और शवों को निकाला। सुसाइड पॉइंट के रूप में बदनाम इस पुल के ढहने से आणंद, वडोदरा, भरूच और अंकलेश्वर का संपर्क टूट गया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर गुजरात के वडोदरा जिले में एक पुल के ढहने से हुई जान-माल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने अपनी विदेश यात्रा के दौरान टेलीफोन पर बातचीत कर त्रासदी की जानकारी प्राप्त की। पुल हादसे पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा, आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाला गंभीरा पुल के एक हिस्से के ढह जाने से हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। राज्य सरकार इस त्रासदी से प्रभावित प्रत्येक परिवार के साथ गहरी संवेदना के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की ओर से इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को चार लाख रुपये की सहायता देने का ऐलान किया। साथ ही, दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति को 50 हजार रुपये की सहायता देने के साथ ही सभी को चिकित्सा उपलब्ध कराने की बात कही।

कट्टरपंथ फैलाने के मामले में कर्नाटक से तीन लोग गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े 2023 के जेल में कट्टरपंथ फैलाने के मामले में कर्नाटक के बेंगलुरु और कोलार जिलों में चलाए गए तलाशी अभियान में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए ने यह जानकारी अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट के माध्यम से दी है। एनआईए के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों में बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा जेल के मनोचिकित्सक डॉ. नागराज, सिटी आर्म्ड रिजर्व के एएसआई चान पाशा और एक फरार आरोपी की मां अनीस फातिमा शामिल हैं। एनआईए ने बेंगलुरु और कोलार जिलों की पांच जगहों पर तलाशी अभियान चलाया, जिसमें इन आरोपियों और अन्य संदिग्धों के घरों से डिजिटल उपकरण, नकदी, सोना और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। यह मामला लश्कर-ए-तैयबा के एजेंडे को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से बेंगलुरु में आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने से जुड़ा है।एनआईए के अनुसार , जांच में सामने आया है कि डॉ. नागराज ने कैदियों तक मोबाइल फोन पहुंचाया था। इन कैदियों में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आतंकी तदियांदवीद नसीर उर्फ टी. नसीर भी शामिल था। इस आतंकी गतिविधि में नागराज को पवित्रा नामक महिला का सहयोग भी मिला था। इसके अलावा, एनआईए ने अनीस फातिमा के घर की भी तलाशी ली, जो फरार आरोपी जुनैद अहमद की मां है और उसने नसीर के निर्देश पर अपने बेटे के लिए धन एकत्र कर उसे जेल में भेजने की भूमिका निभाई थी।

बारिश ने देश के कई हिस्सों में मचाई तबाही, चार बच्चों की मौत

▸ उत्तराखंड में फटे बादल, मध्यप्रदेश में कई बांधों के गेट खुले, नर्मदा उफान पर

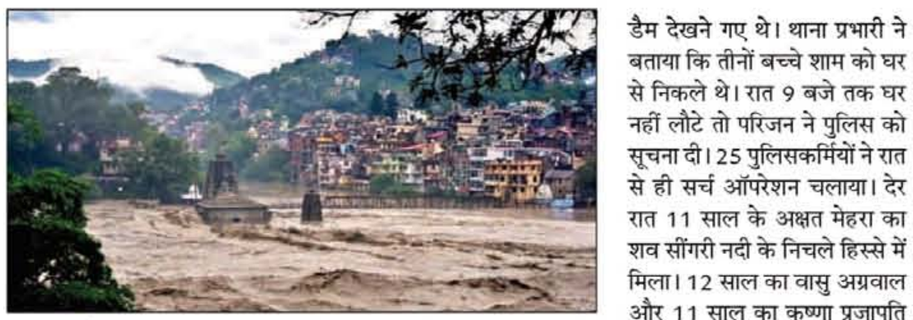

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपी में बुधवार को भारी बारिश का दौर जारी है। बारिश का पानी अयोध्या में घरों में भर गया। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। वाराणसी में अस्सी घाट पानी में डूब गए। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है। वहीं मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले दिए गए। दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट खोले गए हैं। महाराष्ट्र के नागपुर में लगातार तेज बारिश से न्यू नरसाला इलाके में घर और गाड़ियां पानी में डूब गईं। नागपुर नगर निगम ने नाव की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। उत्तराखंड में भी हालात खराब है मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को चमोली जिले के नंदप्रयाग घाट के पास मुख गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। एसडीआरएफ ने बताया कि जनहानि की सूचना नहीं है। सर्च ऑपरेशन जारी है। अगले चार दिन राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं मध्यप्रदेशा के नरसिंहपुर में तीन बच्चों नदी में डूब गए है। इनमें से एक का शव मिला है, दो की तलाश जारी है। तीनों मंगलवार शाम सींगरी नदी के पास डैम देखने गए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों बच्चे शाम को घर से निकले थे। रात 9 बजे तक घर नहीं लौटे तो परिजन ने पुलिस को सूचना दी। 25 पुलिसकर्मियों ने रात से ही सर्च ऑपरेशन चलाया। देर रात 11 साल के अक्षत मेहरा का शव सींगरी नदी के निचले हिस्से में मिला। 12 साल का वासु अग्रवाल और 11 साल का कृष्णा प्रजापति अभी लापता हैं। बुधवार को रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के बराज गांव में मंगलवार को 5 किसान और एक महिला कटान नदी और श्यामरी नदी के बीच बने टापू पर फंस गए। सूचना मिलने पर पुलिस और एनडीआरएफ टीम ने सभी को सुरक्षित निकाला।

मालवाहक जहाज पर हमला, दो की मौत

सना। लाल सागर में यमन के तट के पास एक मालवाहक जहाज इटरनिटी सी पर हुए घातक हमले में चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई है। यह जहाज लाइबेरिया के ध्वज तले चल रहा था और हमले के वक्त समुद्री मार्ग से गुजर रहा था। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन में लाइबेरिया के प्रतिनिधि ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि इटरनिटी सी पर भयंकर हमला किया गया, जिसमें दो नाविकों की जान चली गई। हमले में जहाज को गंभीर क्षति पहुंची है और वह समुद्र में एक ओर झुक गया है। जानकारी अनुसार, इस हमले में छोटी नावों से रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) दागे गए, जिससे जहाज की संरचना बुरी तरह प्रभावित हुई।

पेंट वाले तेल से बना दिया छात्रों का खाना, 200 बच्चे बीमार

एजेंसी

बीजिंग। चीन के एक स्कूल में एडिबल ऑयल की जगह पेंट वाले तेल का इस्तेमाल कर खाना बना दिया गया। शेफ की इस गलती के चक्कर में 200 से ज्यादा बच्चे बीमार हो गए और फिर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। खाना बनाने के बाद उसे सजाने के लिए शेफ ने गलती से पेंट ऑयल डाल दिया। उत्तर-पश्चिम चीन गांसु प्रांत के तियानशुई शहर के एक किंडरगार्टन यानी केजी स्कूल में यह घटना सामने आई। जांच के दौरान पता चला कि बच्चों को परोसे गए खाद्य उत्पाद के नमूनों में सीसे का स्तर राष्ट्रीय सुरक्षा सीमा से 2,000 गुना ज्यादा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए शेफ सहित कुल आठ लोगों को अरेस्ट कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक स्कूल के प्रिंसिपल ने रसोई के कर्मचारियों से ऑनलाइन पेंट खरीदने के लिए कहा लेकिन बच्चों के बीमार पड़ने के बाद अधिकारियों ने रसोई की जांच की। इस दौरान एक पेंट का डब्बा मिला। जिसपर स्पष्ट रूप से लिखा था कि यह खाने में प्रयोग होने वाला तेल नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार एक पेरेंट ने कहा कि वह अपने बेटे के लीवर और पाचन तंत्र पर सीसे की लंबे वक्त तक बुरे प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। चीनी मीडिया स्कूल की रसोई में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज दिखाई, जिसमें कर्मचारी को खाने में पेंट पिगमेंट मिलाते हुए देखा जा सकता है। जांच टीम ने बताया कि बच्चों को खाने में लाल खजूर के केक और मकई के सॉसेज रोल दिए गए थे।

पृष्ठ एक के शेष....

ग्रेटर नोएडा में...

गिरफ्तार किया गया। ग्रेटर नोएडा में थाना दनकौर पुलिस द्वारा आज सुबह ग्राम बल्लूखेड़ा जाने वाले रास्ते पर चेकिंग की जा रही थी, तभी एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को आता देखकर पुलिस टीम द्वारा रूकने का इशारा किया गया तो मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों ने रूकने के बजाय मोटरसाइकिल को तेजी से चलाते हुए भागने लगे।

पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की। पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गये। घायल बदमाशों की पहचान पंकज पुत्र बिजेन्द्र उम्र 34 वर्ष निवासी कैलाश नगर, थाना विजय नगर, जिला गाजियाबाद वर्तमान निवासी लड़पुरा, थाना कासना, गौतमबुद्धनगर व सत्यवीर पुत्र भजनलाल उम्र 23 वर्ष निवासी गिरधरपुर, थाना कासना, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुयी है। बदमाशों के कब्जे से 02 अवैध तमंचे मय 02 खोखा कारतूस व 04 जिन्दा कारतूस, 01 बिना नम्बर प्लेट लगी मोटरसाइकिल व 01 चोरी का मोबाइल फोन बरामद हुई है। दोनों बदमाश ने बीते दिनों यंगटांग कम्पनी के पास निर्माणाधीन बिजली घर से कीमती उपकरण चोरी कर लिये थे।

नागरिकता की जांच...

धूलिया ने कहा कि चुनाव आयोग वही कर रहा है, जो संविधान में दिया गया है। तो आप यह नहीं कह सकते कि वे ऐसा कुछ कर रहे हैं जो उन्हें नहीं करना चाहिए?

गोपाल शंकर नारायणन ने कहा कि चुनाव आयोग वह कर रहा जो उसे नहीं करना चाहिए। यहां कई स्तरों पर उल्लंघन हो रहा है। यह पूरी तरह से मनमाना और भेदभावपूर्ण है. मैं आपको दिखाऊंगा कि उन्होंने किस तरह के सुरक्षा उपाय दिए हैं। दिशानिर्देशों में कुछ ऐसे वर्गों का उल्लेख है जिन्हें इस रिवीजन प्रक्रिया के दायरे में नहीं लाया गया है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया की कानून में कोई आधार नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि क्या चुनाव आयोग जो सघन परीक्षण कर रहा है वो नियमों में है या नहीं? और ये सघन परीक्षण कब किया जा सकता है? आप ये बताइए कि ये अधिकार क्षेत्र में आयोग के है या नहीं? इस पर गोपाल ने कहा कि चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। इस पर कोर्ट ने कहा कि इसका मतलब है कि आप अधिकार क्षेत्र नहीं बल्कि सघन परीक्षण करने के तरीके को चुनौती दे रहे है। गोपाल ने जवाब देते हुए कहा कि हां, बिल्कुल. वे जो भी संशोधन करते हैं, उन्हें उसे निर्धारित तरीके से ही करना होता है.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग जो कर रहे हैं कानून के हिसाब से ही कर रहे हैं. अधिवक्ता गोपाल ने इस बात पर सवाल उठाते हुए कहा कि 2003 से पहले वालों को केवल फ़ॉर्म भरना है. उसके बाद वालों को डॉक्यूमेंट लगाने हैं. यह बिना किसी आधार के भेद किया गया है. कानून इसकी अनुमति नहीं देता।

इस पर जस्टिस धूलिया ने कहा कि लेकिन इसमें तो व्यावहारिकता जुड़ी हुई है। चुनाव आयोग ने यह तारीख इसलिए तय की क्योंकि यह कंप्यूटराइजेशन के बाद पहली बार हुआ था तो इसमें एक रीजनिंग है।

सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में मान्यता न देने को लेकर चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाया है। आयोग के वकील ने जवाब देते हुए कहा कि सिर्फ आधार कार्ड से नागरिकता साबित नहीं होता।

इस पर कोर्ट ने कहा कि अगर आप वोटर लिस्ट में किसी शख्स का नाम सिर्फ देश की नागरिकता साबित होने के आधार पर शामिल करेंगे तो फिर ये बड़ी कसौटी होगी. यह गृह मंत्रालय का काम है. आप उसमे मत जाइए. उसकी अपनी एक न्यायिक प्रक्रिया है। फिर आपकी इस कवायद का कोई औचित्य नहीं रहेगा।

चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि आरपी एक्ट में भी नागरिकता का प्रावधान है. कोर्ट ने कहा कि आपको अगर यह करना है तो फिर इतनी देरी क्यों की. यह चुनाव से ठीक पहले नहीं होना चाहिए।

सिंघवी ने दलील दी कि किसी को भी मतदाता सूची से बाहर करने की प्रक्रिया यह है कि मैं आऊंगा और किसी के खिलाफ अपनी आपत्ति का सबूत दूंगा. फिर चुनाव आयोग सुनवाई के लिए नोटिस जारी करेगा. लेकिन यहां सामूहिक रूप से चार से सात करोड़ लोगों को निलंबित कर दिया गया है कि यदि आप फॉर्म नहीं भरते हैं तो आप बाहर हो जाएंगे. जब तक कि हम यह सत्यापित न कर लें कि आप उस मतदाता सूची से बाहर हो गए हैं, जिसमें आप पहले से ही शामिल हैं।

गुरु पूर्णिमा पर सीएम...

के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव-विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया। उसके बाद वह बारी-बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद भी अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना की आनुष्ठानिक प्रक्रिया संपन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत महाआरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई।

फिल्म सिटी के भूमि....

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 27 जून को कंशेसनायर एग्रीमेंट होने के बावजूद एक वर्ष बीत जाने पर भी इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत नहीं हो पाई है। निवर्तमान सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह के जाने के बाद आज बोनी कपूर आदि लोगों के नये सीईओ से मिलने आने से फिल्म सिटी प्रोजेक्ट के भूमि पूजन को लेकर फिर एक बार चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

दिल्ली- एनसीआर में ...

तेज बारिश से बुरा हाल हो गया। सड़कों पर जगह-जगह पानी भर गया, जिससे जन जीवन पूरी तरह से अस्तव्यस्त हो गया। दिल्ली और गुरुग्राम की सड़कों पर पानी भर गया, जिससे मुख्य मार्गों के साथ ही हाईवे पर लंबे जाम की स्थिति बन गई। पीक आवर्स के दौरान वाहनों का दबाव भी अधिक रहता है, इसी वक्त बारिश की वजह से जाम लगने से लोगों को बेहद परेशानी पेश आई।

दिल्ली में तेज वर्षा की वजह से कल शाम ऑफिस से घर लौटने वालों को परेशानी हुई। जो लोग सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें दिक्कत पेश आई। दिल्ली के आईटीओ इतनी तेज वर्षा हुई कि अंधेरा छा गया, इस दौरान लोगों को अपने वाहन की हेडलाइट जलाकर गुजरना पड़ा।

राजधानी में बुधवार शाम को आई मानसून की पहली मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। कई इलाकों में जलभराव व जाम के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश ने ड्रेनेज सिस्टम की खामियों को फिर से उजागर कर दिया। नालों और सीवरों के ओवरफ्लो होने से कई रिहायशी इलाकों में घरों में भी पानी भर गया। कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई। व्यस्त समय में दफ्तर से घर जा रहे लोग सुरक्षित जगहों पर रुककर बारिश के थमने का इंतजार करते दिखे। यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा। आज सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं, दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई है।

मुठभेड में पांच...

बदमाश स्वयं को घिरते देखकर छोटे हाथी व ब्रेजा कार को छोडकर जंगल की ओर भागने लगे और पुलिस टीम पर फायर किया। पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान सुमित उर्फ बिल्ला पुत्र सुरेश राम निवासी मिसौरी, थाना कोतवाली, जिला खगडिया, बिहार वर्तमान पता ग्राम मदनपुर, थाना सरिता विहार, दिल्ली के रूप में हुयी है। जिसके कब्जे से 1 अवैध तमंचा मय 1 जिंदा कारतूस व 1 खोखा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस टीम द्वारा कांबिंग के दौरान ब्रेजा कार छोड़कर भागे बदमाश अनुप पाल उर्फ चिकना पुत्र अशोक पाल निवासी ग्राम पिपला, थाना हजरतपुर, जिला बदाँयू वर्तमान पता ग्राम मदनपुर, थाना सरिता विहार, दिल्ली, प्रवीण उर्फ शूटर पुत्र रामसिंह निवासी मदनपुर खादर, थाना सरिता विहार, दिल्ली, कोविन्द पुत्र लक्ष्मी साहनी निवासी गौरीपुर, थाना जावकोठी, जनपद बेगुसराय, बिहार वर्तमान पता जसौला, थाना जसौला, दिल्ली एवं शहनवाज उर्फ नन्नू पुत्र लियाकत अली कुरैशी निवासी केला भट्टा, थाना कोतवाली, गाजियाबाद वर्तमान पता द्वारिकापुरी, दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाशों के कब्जे से एक ब्रेजा कार, एक छोटा हाथी (टाटा ऐस), दो लोहा काटने वाली आरी, एक रस्सा लोहे का हुक लगा हुआ, चार बण्डल केबिल व 2 कट्टे केबिल की रबड़ बरामद हुई है।

वंदे भारत ने जीता जापानियों का दिल, ओसाका एक्सपो में भारतीय रेल की धूम

एजेंसी

नई दिल्ली। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में भारतीय रेल की धूम मची है। भारतीय पवेलियन में न केवल भारतीय प्रवासी बल्कि जापानी नागरिकों की भी भारी भीड़ उमड़ रही है। एक्सपो पहुंचने वाले लोगों में वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज को लेकर जबरदस्त उत्सुकता देखी जा रही है। लोग इनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। कई जापानी आगंतुकों को यह जानकर आश्चर्य हो रहा है कि भारत में इतनी तेज रफ्तार और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली ट्रेनें अब आम हो गई हैं। वंदे भारत की एयरोडायनॉमिक डिजाइन, इनबिल्ट सुरक्षा फीचर्स और सेमी

हाई-स्पीड क्षमताओं ने तकनीक प्रेमियों को आकर्षित किया है। वहीं, चिनाब ब्रिज झ जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक बनकर उभरा है। हिमालय की घाटियों में बना यह ब्रिज न केवल तकनीकी चुनौती को परास्त करता है, बल्कि भारत के उत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद अहम है। जापानी दर्शक, खासकर इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के छात्र, चिनाब ब्रिज के 3ऊ प्रेजेंटेशन और इंटरैक्टिव मॉडल को ध्यान से देख रहे हैं और इसके निर्माण से जुड़े विवरणों को जानने में गहरी रुचि ले रहे हैं।वंदे भारत ट्रेन और चिनाब ब्रिज आधुनिक भारतीय रेल का चमकता सितारा है। बदलते भारत की पहचान है। बीते एक दशक में वंदे भारत ने अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ रेल यात्रा को नई पहचान दी है। यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ तेज रफ्तार यात्रा की सुविधा मिल रही है। भारतीय रेल ने देश के हर कोने में वंदे भारत के संचालन से कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है। पूरे देश में करीब 140 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसे वरिष्ठ नागरिकों के साथ युवाओं के बीच अपार लोकप्रियता मिली है।इस ट्रेन में वातानुकूलित कोच, स्वचालित दरवाजे, बायो टॉयलेट्स, जीपीएस सूचना प्रणाली, ऑनबोर्ड कैटरिंग, वाई-फाई, और सीसीटीवी सुरक्षा जैसी सुविधाएं हैं। ये सुविधाएं यात्रियों को एक प्रीमियम और आरामदायक अनुभव प्रदान करती हैं, जो पहले साधारण ट्रेनों में संभव नहीं था। वंदे भारत ट्रेनें वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।विश्व एक्सपो 2025, जो कि 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारत के लिए वैश्विक मंच पर अपनी उपलब्धियों और नवाचारों को साझा करने का एक सुनहरा अवसर है। जापान में इंडिया पवेलियन की लोकप्रियता न केवल भारत की बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि दुनिया भारत की प्रगति को उत्सुकता और सम्मान की नजरों से देख रही है।

अमेरिकी वायु सेना ने मस्क की कंपनी का रोका प्रोजेक्ट

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी वायु सेना ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ एक महत्वाकांक्षी रॉकेट प्रोजेक्ट को अचानक सस्पेंड कर दिया है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य 90 मिनट से कम समय में वैश्विक स्तर पर सामान पहुंचाना था। इस निर्णय ने तकनीकी और रक्षा क्षेत्र में हलचल मचा दी है। इसके निलंबन का कारण पर्यावरणीय चिंताओं और मस्क के हाल के बयानों से जुड़ा हो सकता है। बता दें इससे पहले स्पेसएक्स पहले ही पर्यावरणीय विवादों में घिर चुकी है। टेक्सास के बोका चीका में किए गए एक स्टारशिप रॉकेट लॉन्च के दौरान संरक्षित पक्षियों के घोंसले और अंडे नष्ट हो गए थे, जिससे कंपनी पर कानूनी कार्रवाई की गई। इसके बाद एलन मस्क ने मजाकिया अंदाज में ट्वीट किया था- इस जघन्य अपराध की भरपाई के लिए मैं एक हफ्ते तक आमलेट नहीं खाऊंगा। यह टिप्पणी उस समय चर्चा में रही और पर्यावरण को लेकर स्पेसएक्स की संवेदनशीलता पर सवाल उठे। अब जॉनस्टन एटोल के मामले में भी कंपनी और अमेरिकी वायुसेना दोनों ने तत्काल जवाब नहीं दिया है।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को 236 रनों से हराया

एजेंसी

बुलावायो। दक्षिण अफ्रीका ने मेजबान जिम्बाब्वे को दूसरे टेस्ट में 236 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से सीरीज जीत ली है। इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीन ने पिछले दो दशक का रिकार्ड भी तोड़ दिया है। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में जिम्बाब्वे को दूसरी पारी में 220 रनों पर ही आउट कर दिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने तीन दिन के अंदर ही मेजबान टीम को एक पारी और 236 रनों से हराया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर ने नाबाद 367 रन बनाये

जिससे उनकी टीम ने पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। वहीं इससे पहले जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर ही सिमट गयी थी, जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर ही आउट हो गयी। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाये जो मुल्डर से केवल 23 रन अधिक थे। मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने तिहरा शतक लगाने के अलावातीन विकेट भी लिए और तीन कैच पकड़े। वह प्लेयर ऑफ द मैच के साथ-साथ प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बने। जिम्बाब्वे ने दिन की शुरूआत दूसरी पारी में एक विकेट पर 51 रन से की थी और सुबह के सत्र में टीम ने दो विकेट गंवा दिये, जिसमें अनुभवी सीन विलियम्स भी शामिल थे। विलियम्स ने मुल्डर की गेंद को रोकने की कोशिश की और 11 रन ही आउट हो गये। लंच से पहले निक वेल्च ने 55 रन बनाकर अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद वह कैच आउट हो गये। कप्तान क्रेग एर्विन ने 95 गेंदों में 49 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाये। साउथ अफ्रीका की ओर स कॉर्बिन बॉश ने चार जबकि मुथुसामी ने तीन और कोडी यूसुफ दो विकेट लिए।

सीरीज को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकते : गांगुली

एजेंसी

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अभी से ये नहीं कहा जा सकता है कि एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज कौन सी टीम जीतेगी। अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। वहीं 3 मैच होने हैं जिससे सीरीज के परिणाम तय होंगे। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की जीत के बाद गांगुली स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की है। साथ ही कहा कि आगे के मैचों में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी पर कहा कि सीरीज में अभी तीन मैच शेष हैं, इसलिए परिणाम के बारे में अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। गांगुली ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम पहले दो मैचों की तरह ही तीसरे मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी करेगी। साथ ही, उम्मीद करता हूं कि टीम 20 विकेट लेने में भी सफल रहेगी, जिससे जीत मिलने की संभावना बढ़ जाये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अगले टेस्ट में जसप्रीत बुमराह भी टीम में आ जाएंगे। इससे हमारी गेंदबाजी और भी बेहतर हो जाएगी और हम इंग्लैंड के 20 विकेट आसानी से ले सकेंगे। बुमराह हेडिंग्ले में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में शामिल थे। पहली पारी में उन्होंने 5 विकेट भी लिए थे पर दूसरे टेस्ट में उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत ही आराम दिया गया था। तीसरे टेस्ट में आकाशदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

खास खबर

दाविदे अंचेलोटी बने बोटाफोगो के नए कोच

रियो डी जनेरियो। ब्राजील की शीर्ष फुटबॉल लीग सीरी ए की प्रमुख क्लब बोटाफोगो ने मंगलवार को दाविदे अंचेलोटी को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। दाविदे, ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच कार्लो अंचेलोटी के बेटे हैं। 35 वर्षीय दाविदे ने दिसंबर 2026 तक के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। क्लब की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान में कहा गया है, ₹दाविदे अंचेलोटी की नियुक्ति हमारे खेल परियोजना को सशक्त करने की दिशा में एक और रणनीतिक कदम है, जो नवाचार, महत्वाकांक्षा और अंतरराष्ट्रीय पहचान पर आधारित है। यह दाविदे अंचेलोटी का मुख्य कोच के रूप में पहला कार्यकाल होगा। इससे पहले वे अपने पिता कार्लो अंचेलोटी के साथ नापोली, एवर्टन, बायर्न म्यूनिख, रियल मैड्रिड और फिलहाल ब्राजील राष्ट्रीय टीम में सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि वह ब्राजील टीम में अपनी वर्तमान भूमिका को भी बनाए रखेंगे।

प्रो कबड्डी लीग का 12वां सीजन 29 अगस्त से

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का बहुप्रतीक्षित सीजन-12 शुक्रवार, 29 अगस्त से शुरू होगा। ग्यारह रोमांचक और सफल सीजनों के बाद अब लीग अपने 12वें अध्याय की ओर बढ़ रही है, जो दर्शकों के लिए एक बार फिर से जबरदस्त रोमांच और प्रतिस्पर्धा लेकर आएगा। पीकेएल आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने बुधवार को उक्त घोषणा की। सीजन 11 में शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा स्टीलर्स ने पहली बार खिताब जीता था और अब वे इस सीजन में अपने खिताब की रक्षा करने उतरेंगे। सभी 12 फ्रेंचाइज़ियों ने हाल ही में संपन्न हुए खिलाड़ियों की नीलामी में अपनी टीमों को और मजबूत किया है, जिससे यह सीजन पहले से कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धी और मनोरंजक होने की उम्मीद है। सीजन 12 के लिए स्थानों और अन्य विवरणों की घोषणा जल्द की जाएगी।

लॉर्ड्स टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित

लंदन। भारत के खिलाफ होने वाले तीसरे टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है, जो 10 जुलाई से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर खेला जाएगा। टीम में एक बदलाव किया गया है, जोश टंग की जगह जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर करीब चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार फरवरी 2021 में टेस्ट मैच खेला था। हाल ही में उन्होंने एजबेस्टन में इंग्लैंड के अभ्यास सत्र के दौरान नियमित रूप से गेंदबाजी की और वापसी के संकेत दिए थे। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी उनके चयन को लेकर संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था, हम लॉर्ड्स पहुंचने के बाद इस पर फैसला लेंगे। जब उनसे आर्चर की फिटनेस को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, वो पूरी तरह फिट और खेलने के लिए तैयार हैं। बाकी गेंदबाज दो टेस्ट लगातार खेल चुके हैं, ऐसे में प्लेइंग इलेवन में बदलाव लाजमी है और आर्चर इस बदलाव का हिस्सा हो सकते हैं।

चेल्सी ने फ्लूमिनेंस को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

ईस्ट रदरफोर्ड। ब्राजीलियाई स्ट्राइकर जोआओ पेड्रो के दो शानदार गोलों की बदौलत चेल्सी ने फ्लूमिनेंस को 2-0 से हराकर फीफा क्लब विश्व कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। यह मुकाबला मंगलवार को मेट लाइफ स्टेडियम, न्यू जर्सी में खेला गया। ब्राइटन से करीब 60 मिलियन (करीब 650 करोड़ रुपये) में हाल ही में चेल्सी से जुड़े 23 वर्षीय जोआओ पेड्रो ने पहली बार चेल्सी के लिए शुरूआती एकादश में खेलते हुए यह कमाल किया। उन्होंने 18वें मिनट में पहला गोल किया और फिर 56वें मिनट में दूसरा गोल दागा। गौरतलब है कि जोआओ

फीफा क्लब विश्व कप

पेड्रो ने अपने करियर की शुरूआत फ्लूमिनेंस से ही की थी और इंग्लैंड आने से पहले क्लब के लिए 36 मुकाबले खेले थे। शायद यही कारण था कि उन्होंने दोनों गोलों के बाद जश्न नहीं मनाया और हाथ उठाकर फ्लूमिनेंस समर्थकों से माफी जताई। इस जीत के साथ चेल्सी ने लगातार दूसरे मुकाबले में ब्राजीलियाई क्लब को हराया है और अब फाइनल में उसका मुकाबला रियल मैड्रिड या पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा। 2023 की कोपा लिबरटाडोरेस विजेता फ्लूमिनेंस की टूनार्मेंट में शानदार यात्रा का अंत हो गया। उन्होंने ग्रुप स्टेज में बोरुसिया डॉर्टमंड को रोका, फिर इंटर मिलान को हराया और क्वार्टरफाइनल में अल-हिलाल को मात दी थी, जिसने मैनचेस्टर सिटी को बाहर किया था। लेकिन यूरोप की ताकतवर चेल्सी के सामने फ्लूमिनेंस कमजोर साबित हुई। मैच में 70,556 दर्शकों की मौजूदगी रही और चेल्सी ने शुरू से ही अपना दबदबा बनाया। पहला गोल तब आया जब थियागो सिल्वा की क्लियरेंस पर पेड्रो ने बॉक्स के किनारे गेंद को रोका और शानदार तरीके से गोलकीपर फैबियो को छकाकर गेंद को गोलपोस्ट के कोने में डाल दिया।

एशियाई चैंपियनशिप पर रहेंगी मनु की नजरें

एजेंसी

पेरिस । ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का लक्ष्य अब कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना रहेगा। 16 से 30 अगस्त तक होने वाले इस टूनार्मेंट में केवल मनु ही दो व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग लेंगी। वहीं निशाने बाजी महासंघ ने सात से 15 सितंबर तक चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए सीनियर टीम की घोषणा भी कर दी है। इस प्रमुख एशियाई प्रतियोगिता के लिए सीनियर टीम में 35 निशानेबाज हैं जो तीन मिश्रित टीम सहित 15 स्पधाओं में भाग लेंगे। मनु इसमें

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पधाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन और ओलंपियन राही सरनोबत भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं सीनियर टीम में वापसी करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में पुरुष एयर राइफल के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और ओलंपियन अंजुम मौदगिल, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी और केनान चेनाई भी शामिल हैं। ईशा सिंह, मेहुली घोष और किरण अंकुश जाधव दोनों सीनियर टीम में हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा घोषित अन्य टीमें सितंबर-अक्टूबर में होने वाले आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप और जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए हैं। जो सीनियर प्रतियोगिता के साथ ही होगी।

मैक्सिको और कोलंबिया के बीच अक्टूबर में होगा दोस्ताना मैच

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मैक्सिको और कोलंबिया की राष्ट्रीय फुटबॉल टीमें अक्टूबर में एक अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैच में आमने-सामने होंगी। मैक्सिकन फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। यह मुकाबला 11 अक्टूबर को अमेरिका के टेक्सास राज्य के आर्लिंगटन स्थित एटी एंड टी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह तारीख आधिकारिक फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो के अंतर्गत आती है। यह मुकाबला 2026 फीफा वर्ल्ड कप की तैयारियों का हिस्सा होगा, जिसकी मेजबानी मैक्सिको, अमेरिका और कनाडा मिलकर कर रहे हैं। फीफा नियमों के अनुसार, इन तीनों देशों की टीमें टूनार्मेंट में सीधे हिस्सा लेंगी। कोलंबिया के लिए यह एक उच्च

स्तरीय परीक्षा होगी, क्योंकि वह अब भी विश्व कप क्वालीफिकेशन की दौड़ में है। वर्तमान में वह दक्षिण अमेरिका की 10 टीमों की तालिका में छठे स्थान पर है और उसके दो मैच अभी शेष हैं। शीर्ष छह टीमें सीधे क्वालीफाई करेंगी, जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम को इंटरकांटिनेंटल प्लेऑफ खेलना होगा। गौरतलब है कि मैक्सिको ने हाल ही में लगातार दूसरी बार कॉनकाकाफ गोल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है।

वोक्स का विकल्प तलाशे टीम: बॉयकॉट

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने कहा है कि तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स का सर्वश्रेष्ठ दौर बीत गया है और टीम को इनसे आगे बढ़ने की जरुर है। वोक्स अब तक दोनो ही मैचों में विफल रहे हैं। बॉयकॉट के अनुसार टीम को अब उनका विकल्प तलाशना चाहिये। वहीं जैक क्रोली को लेकर कहा कि ये सलामी बल्लेबाज अपनी गलतियों से सीखना नहीं चाहता है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है।

आईसीसी रैंकिंग में हैरी शीर्ष पर पहुंचे, शुभमन शीर्ष दस में शामिल

▸ ऑलराउंडरों में नंबर एक पर बरकरार जडेजा

एजेंसी

दुबई । इंग्लैंड के हैरी ब्रूक फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गये हैं। हैरी ने अपने ही देश के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट को दूसरे स्थान पर धकेल कर नंबर एक स्थान पर कब्जा किया है। ब्रूक के अब 886 रेटिंग अंक हैं। उन्हें एजबेस्टन में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 158 रनों की पारी खेलने का लाभ मिला है। वहीं रूट दूसरे स्थान पर खिसक गये हैं। उनके 868 रेटिंग अंक हैं। पहले दोनो टेस्ट में शतक लगाने वाले भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं।

शुभमन ने 15 स्थान की छलांग लगायी है। यह शुभमन के टेस्ट करियर की सबसे अच्छी रैंकिंग है। उनके 807 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने एजबेस्टन में भारतीय टीम को मिली 336 रनों से ऐतिहासिक जीत में अहम योगदान दिया था। गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाकर दोहरा शतक ठोका जबकि दूसरी पारी में शतक लगाया था। वह नंबर-1 पर चल रहे ब्रूक से 79 रेटिंग अंक पीछे हैं। रैंकिंग में गिल से आगे रूट के अलावा न्यूजीलैंड के केन विलियमसन हैं। उनके (867 रेटिंग अंक हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। । वहीं भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 858 अंक लेकर , चौथे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 807 अंक लेकर पांचवें नंबर पर हैं। शीर्ष-10 बल्लेबाजों में सिर्फ दो भारतीय हैं। विकेटकीपर ऋषभ पंत 790 अंक लेकर संयुक्त रूप से सातवें नंबर पर हैं। इंग्लैंड के विकेटकीपर जेमी स्मिथ को अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की। वह दूसरे टेस्ट में नाबाद 184 और 88 रन की पारी खेलने के बाद 16 पायदान ऊपर आकर 10वें पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर अपने तिहरे शतक से 34 स्थान चढ़कर 22वें पर आ गए हैं। उन्होंने बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नाबाद 367 रन बनाये थे। भारत के ऑलराउंडर अ रविंद्र जडेजा 391 अंक लेकर ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने एजबेस्टन में 89 और नाबाद 69 रनों की पारी खेलने के अलावा एक विकेट लिया था। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज बने हैं। उनके 898 अंक हैं।

झारखंड की मिनी तलवारबाजी टीम ने नासिक में दिखाया दमखम

पांच पदक जीतकर राज्य का नाम किया रोशन

▸ रांची पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

एजेंसी

रांची । नासिक में आयोजित 13वीं मिनी और 7वीं चाइल्ड राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता में झारखंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल पांच पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता 5 से 7 जुलाई तक आयोजित हुई थी। बुधवार को जब टीम रांची लौटी तो हटिया रेलवे स्टेशन पर खिलाड़ियों का भव्य

स्वागत किया गया। झारखंड तलवारबाजी संघ के महासचिव श्री जय कुमार सिन्हा, उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार सिंह और कोषाध्यक्ष श्री करमवीर उरांव भी उपस्थित थे। सभी ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। स्वागत समारोह में खिलाड़ियों को फूल-मालाएं पहनाई गईं और मिठाइयां खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। 30 सदस्यीय टीम में रांची, रामगढ़ और लोहरदगा के बालक-बालिकाएं खिलाड़ी शामिल थे। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर झारखंड तलवारबाजी संघ के अध्यक्ष श्री अर्चित आनंद समेत संघ के पदाधिकारियों ने टीम को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। टीम के साथ मुख्य कोच रामाशीष सिंह, सहायक कोच रोहन, मैनेजर वैजयंती तिग्गा और संजय खलको शामिल थे।

आर्चर बन सकते हैं शुभमन के लिए चुनौती : ब्रॉड

एजेंसी

लॉर्ड्स । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि यहां होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के लिए मुसीबत बन सकते हैं। इसका कारण है कि आर्चर के खिलाफ टेस्ट में शुभमन सफल नहीं रहे है। शुभमन ने इस सीरीज के पहले दोनों ही मैचों में शतक लगाये हैं। इससे ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। शुभमन अब तक वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। हालांकि ब्रॉड और जोस बटलर का मानना है कि जोफ्रा के खिलाफ उनके लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा। भारतीय

कप्तान ने एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक भी लगाया थाहै। इंग्लैंड के गेंदबाज उन्हें बड़ी मुश्किल से आउट कर पाये हैं। उन्होंने सीरीज के शुरूआती दो मैचों की चार पारियों में 146.25 के औसत से 585 रन बनाए हैं। ब्रॉड और बटलर ने तीसरे मैच में आर्चर के संभावित प्रभाव पर बात करते हुए कहा कहा, वह बस शानदार फॉर्म में थे। ऐसा नहीं लग रहा था कि उन्हें कुछ दिक्कत हो सकती है। उनसे कुछ गलत नहीं किया। विराट कोहली के संन्यास लेने के बाद से, वह नंबर चार पर आ गए हैं और शतक, एक बड़ा दोहरा शतक, एक बड़ा 150 रन बना चुके हैं बस कमाल है। ऐसा लगता है कि उनकी कोई कमजोरी नहीं है। वहीं जोस बटलर ने कहा, मुझे लगता है कि जो गेंद पिच होने के बाद अंदर आती है और उसमें वह बोल्ड होते हैं। जोफ्रा आर्चर लॉर्ड्स में टीम में वापसी करेंगे वह ऐसी ही गेंदें करते है।

शिलांग लगातार दूसरे वर्ष प्रतिष्ठित डूरंड कप की मेजबानी के लिए तैयार

एजेंसी

शिलांग। फुटबॉल प्रेमियों का शहर शिलांग लगातार दूसरी बार एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूनार्मेंट 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप की मेजबानी को तैयार है। डूरंड कप की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां राज्य सम्मेलन केंद्र (स्टेट कन्वेंशनल सेंटर) में प्रदर्शित की गईं हैं। इस आयोजन के मुख्य अतिथि मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा थे। उनके साथ खेल और युवा मामलों के मंत्री शक्लियर वारजरी, ईस्टर्न एयर कमांड के एयर मार्शल सुरत सिंह, 101 क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल संजय मलिक तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आइओसीएल) के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इन तीन चमचमाती ट्रॉफियों में मुख्य डूरंड कप ट्रॉफी,

शिमला ट्रॉफी (जो 1904 में शिमला के निवासियों द्वारा भेंट की गई थी और एक रोलिंग ट्रॉफी है), और प्रेसिडेंट्स कप शामिल हैं, जिसे विजेता टीम स्थायी रूप से अपने पास रखती है। इन ट्रॉफियों को दिन में शहर के प्रमुख स्थलों पर रोड शो के माध्यम से ले जाया जाएगा, जिससे फुटबॉल प्रेमियों में उत्साह और भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री कॉनराड के.संगमा ने कहा, मैं इस अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने शिलांग को डूरंड कप के 134वें संस्करण के मेजबान शहरों में शामिल किया। शिलांग के जेएन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में कुल आठ मुकाबले खेले जाएंगे। पिछले साल हमने बहुत ही सफल टूनार्मेंट आयोजित किया था, और मैं गर्व से कह सकता हूं कि शिलांग सबसे अच्छे मेजबानों में एक था, चाहे वह माहौल हो, व्यवस्थाएं हों या प्रशंसकों की उपस्थिति। मैं विश्वास दिलाता हूं कि इस वर्ष भी वही जुनून और उत्साह बना रहेगा। इस बार अधिक स्थानीय टीमें भाग ले रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों के लिए यह और भी रोमांचक होगा।₹ खेल मंत्री शक्लियर वारजरी ने अपने भाषण में राज्य में फुटबॉल के प्रति जुनून को रेखांकित किया और कहा कि ₹पिछली बार भी जनता में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला था। उन्होंने कहा कि मेघालय सरकार खेलों के विकास हेतु बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार मावखानू में एशिया के सबसे बड़े फुटबॉल स्टेडियमों में से एक का निर्माण कर रही है, जिसकी क्षमता 40,000 दर्शकों की होगी। उनका मुख्य लक्ष्य राज्य से ओलंपिक स्तर के खिलाड़ी तैयार करना है। एयर मार्शल सुरत सिंह, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, ईस्टर्न एयर कमांड ने कहा, ₹डूरंड कप एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूनार्मेंट है। यह हमारी विरासत, एकता और हमारे लोगों की अटूट भावना का उत्सव है। भारतीय सशस्त्र बल इस प्रतिष्ठित आयोजन का हिस्सा बनकर गर्व महसूस करते हैं, जो समुदायों को एक साथ लाता है और युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करता है। शिलांग ने इस टूनार्मेंट को अद्वितीय उत्साह के साथ अपनाया है, और हम मेघालय सरकार के निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए आभारी हैं। भारतीय सशस्त्र बल इस ऐतिहासिक मंच के माध्यम से खेल भावना, अनुशासन और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यूजर्सी में फीफा क्लब विश्वकप फुटबॉल में खेलते हुए फ्लूमिनिसीज और चेलेसा के खिलाड़ी।

अंधकार से प्रकाश का पर्व

गुरु पूर्णिमा

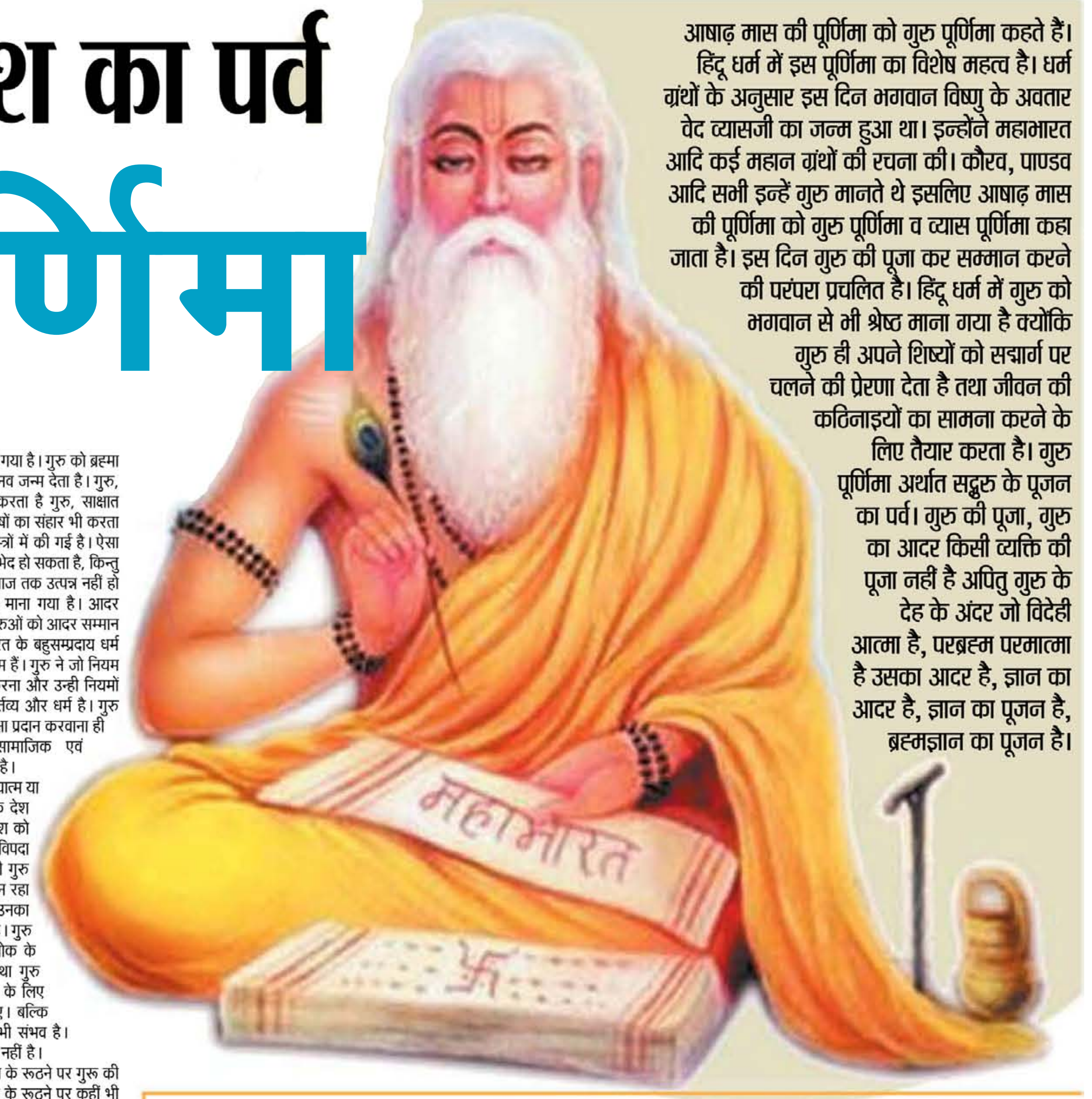

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। हिंदू धर्म में इस पूर्णिमा का विशेष महत्व है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के अवतार वेद व्यासजी का जन्म हुआ था। इन्होंने महाभारत आदि कई महान ग्रंथों की रचना की। कौरव, पाण्डव आदि सभी इन्हें गुरु मानते थे इसलिए आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा व व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। इस दिन गुरु की पूजा कर सम्मान करने की परंपरा प्रचलित है। हिंदू धर्म में गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना गया है क्योंकि गुरु ही अपने शिष्यों को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है तथा जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करता है। गुरु पूर्णिमा अर्थात सद्गुरु के पूजन का पर्व। गुरु की पूजा, गुरु का आदर किसी व्यक्ति की पूजा नहीं है अपितु गुरु के देह के अंदर जो विदेही आत्मा है, परब्रह्म परमात्मा है उसका आदर है, ज्ञान का आदर है, ज्ञान का पूजन है, ब्रह्मज्ञान का पूजन है।

अगर हम प्राचीन ग्रंथो और शास्त्रों का अध्ययन करें तो, आज भी हमें गुरु महिमा का मार्मिक वर्णन मिलता है। मुलत: गुरु शब्द दो अक्षरों का मिलाकर बनाया गया है गु और रु। गु का अर्थ अंधकार और रु का अर्थ अंधकार का हटाने वाला बताया गया है। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है, अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण कर, धर्म का मार्ग दिखाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

भारत भर में गुरू पूर्णिमा का पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में नि:शुल्क शिक्षा ग्रहण करता था तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। आज भी इसका महत्व कम नहीं हुआ है। पारंपरिक रूप से शिक्षा देने वाले विद्यालयों में, संगीत और कला के विद्यार्थियों में आज भी यह दिन गुरू को सम्मानित करने का होता है। मंदिरों में पूजा होती है, पवित्र नदियों में स्नान होते हैं, जगह जगह भंडारे होते हैं और मेले लगते हैं।

गुरू पूर्णिमा की महिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा से जुडी हैं। शास्त्रों में गुरु पूजा का विधान आषाढ़ मास की पूर्णिमा को ही है। गुरू पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरंभ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-संत एक ही स्थान पर रहकर चारो तरफ ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वोत्तम सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न ज्यादा गर्मी और न ज्यादा सर्दी, चारो तरफ हरियाली और वर्षा की छोटी छोटी बुंदों का चारो तरफ आनंद ही आनंद रहता है। इसलिए ये महिने अध्ययन के लिए सर्वोत्तम माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, ऐसे ही गुरुचरण में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं। गुरु पूजन का मन्त्र है -

गुरु ब्रह्मा गुरुर्विष्णु- गुरुदेव महेश्वर। गुरु साक्षात्परब्रह्म तस्मैश्री गुरुवे नम।।

अर्थात- गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूं।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। वैसे तो गुरु तत्व की प्रशंसा सभी शास्त्रों में की गई है। ऐसा माना जाता है कि, ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई भी प्रकार का मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका है। सभी धर्मों में गुरु को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। आदर सम्मान के दृष्टीकोण से हर गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर सम्मान एवं पूजा सहित सम्पुर्ण मान दिया है। भारत के बहुसम्प्रदाय धर्म तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं। गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों का श्रद्धा से पालन करना और उन्ही नियमों पर चलना संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य और धर्म है। गुरु का कार्य सिर्फ उनके शिष्यों को उचित शिक्षा प्रदान करवाना ही नही बल्कि नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है।

गुरु की भूमिका भारत में केवल सिर्फ आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को समय पर उचित सलाह देकर, इस देश को विपदा से उबारा भी है। अर्थात अनादिकाल से ही गुरु का शिष्य का हर क्षेत्र में मार्गदर्शित योगदान रहा है। अत: सद्गुरु की इसी महिमा के कारण उनका व्यक्तित्व हमेशा माता-पिता से ऊपर रहा है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु अर्थात जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी होनी चाहिए। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

संत कबीर ने यहाँ तक कहा है कि, भगवान के रूठने पर गुरू की शरण हमारी रक्षा कर सकती है किंतु गुरू के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना असम्भव है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है। उस श्री गुरू से उपनिषद् की तीनों अग्नियाँ भी थर-थर काँपती हैं। त्रोलोक्यपति भी गुरू का गुणनान करते है। ऐसे गुरू के रूठने पर कहीं भी ठौर ठीकान नहीं मिल सकता है। सद्गुरु की महिमा बहुत अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आँखों को ज्ञानचक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं बल्कि अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। अत: सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते है, इनके सामने हम जैसे मनुष्य की बिसात क्या। इसी के साथ दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

गुरुदेव हमारे कर्मों के दाता

चारों वेदों के व्याख्याता गुरु व्यास थे. हमें वेदों का दान देने वाले व्यास जी ही हैं. इसलिए वो हमारे आदि गुरु हुए. गुरु पूर्णिमा के दिन ही ऋषि व्यास का भी जन्मदिन मनाया जाता है. उन की स्मृति को ताजा रखने के लिए हमें अपने गुरु को व्यास जी का ही अंश मान कर सम्मानपूर्वक उन की पूजा करनी चाहिए. गुरु की कृपा से ही विद्या की प्राप्ति होती है.

गुरु के महत्व को हमारे सभी संतो, ऋषियों एवं महान विभूतियों ने उध स्थान दिया है. संस्कृत में गु का अर्थ होता है अंधकार (अज्ञान)एवं रु का अर्थ होता है प्रकाश (ज्ञान)। गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं.

हमारे जीवन के प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं. जो हमारा पालन-पोषण करते हैं, सांसारिक दुनिया में हमें प्रथम बार बोलना, चलना तथा शुरुआती आवश्यकताओं को सिखाते हैं. अत: माता-पिता का स्थान सर्वोपरि है. जीवन का विकास सुचारू रूप से चलता रहे, उसके लिए हमें गुरु की आवश्यकता होती है. भावी जीवन का निर्माण गुरू द्वारा ही होता है.

मानव मन में व्याप्त बुराई रूपी विष को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान है. महर्षि वाल्मीकि जिनका पूर्व नाम रत्नाकर था. वे अपने परिवार कापालन पोषण करने हेतु दस्युकर्म करते थे. महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की, ये तभी संभव हो सका, जब गुरू रूपी नारद जी ने उनका ह्दय परिर्वतित किया. मित्रों, पंचतंत्र की कथाएं हम सब ने सुनी है. नीति कुशल गुरू विष्णु शर्मा ने किस तरह राजा अमरशक्ति के तीनों अज्ञानी पुत्रों को कहानियों एवं अन्य माध्यमों से उन्हें ज्ञानी बना दिया.

गुरु शिष्य का संबंध सेतु के समान होता है. गुरू की कृपा से शिष्य के लक्ष्य का मार्ग आसान होता है.

स्वामी विवेकानंद जी को बचपन से परमात्मा को पाने की चाह थी. उनकी ये इच्छा तभी पूरी हो सकी, जब उनको गुरु परमहंस का आशीर्वाद मिला. गुरु की कृपा से ही आत्म साक्षात्कार हो सका. छत्रपति शिवाजी पर अपने गुरु समर्थ गुरु रामदास का प्रभाव हमेशा रहा.

गुरु द्वारा कहा एक शब्द या उनकी छवि मानव की कायापलट सकती है. कबीर दास जी का अपने गुरु के प्रति जो समर्पण था, उसको स्पष्ट करना आवश्यक है क्योंकि गुरु के महत्व को सबसे ज्यादा कबीर दास जी के दोहों में देखा जा सकता है. एक बार रामानंद जी गंगा स्नान को जा रहे थे, सीढी उतरते समय उनका पैर कबीर दास जी के शरीर पर पड गया. रामानंद जी के मुख से राम-राम शब्द निकल पडा. उसी शब्द को कबीर दास जी ने दीक्षा मंत्र मान लिया और रामानंद जी को अपने गुरु के रूप में स्वीकार कर लिया. ये कहना अतिश्योक्ति न होगा कि जीवन में गुरु के महत्व का वर्णन कबीर दास जी ने अपने दोहों में पूरी आत्मियता से किया है.

गुरू गोविंद दोऊ खडे काके लागू पांव
बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय.

गुरू का स्थान ईश्वर से भी श्रेष्ठ है. हमारे सभ्य सामाजिक जीवन का आधार स्तभ गुरू हैं। कई ऐसे गुरू हुए हैं, जिन्होने अपने शिष्य को इस तरह शिक्षित किया कि उनके शिष्यों ने राष्ट्र की धारा को ही बदल दिया। आचार्य चाणक्य ऐसी महान विभूती थे, जिन्होंने अपनी विद्वत्ता और क्षमताओं के बल पर भारतीय इतिहास की धारा को बदल दिया। गुरू चाणक्य कुशल राजनितिज्ञ एवं प्रकांड अर्थशास्त्री के रूप में विश्व विख्यात हैं। उन्होने अपने वीर शिष्य चन्द्रगुप्त मौर्य को शासक पद पर सिहांसनारूढ करके अपनी जिस विलक्षंण प्रतिभा का परिचय दिया उससे समस्त विश्व परिचित है। गुरु हमारे अंतर मन को आहत किये बिना हमें सभ्य जीवन जीने योग्य बनाते हैं। दुनिया को देखने का नजरिया गुरू की कृपा से मिलता है। पुरातन काल से चली आ रही गुरु महिमा को शब्दों में लिखा ही नही जा सकता। संत कबीर भी कहते हैं कि

सब धरती कागज करू, लेखनी सब वनराज।
सात समुंद्र की मसि करु, गुरु गुंण लिखा न जाए॥

गुरु पूर्णिमा के पर्व पर अपने गुरु को सिर्फ याद करने का प्रयास है। गुरू की महिमा बताना तो सूरज को दीपक दिखाने के समान है। गुरु की कृपा हम सब को प्राप्त हो। अंत में कबीर दास जी के निम्न दोहे से अपनी कलम को विराम देते हैं।

यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान॥

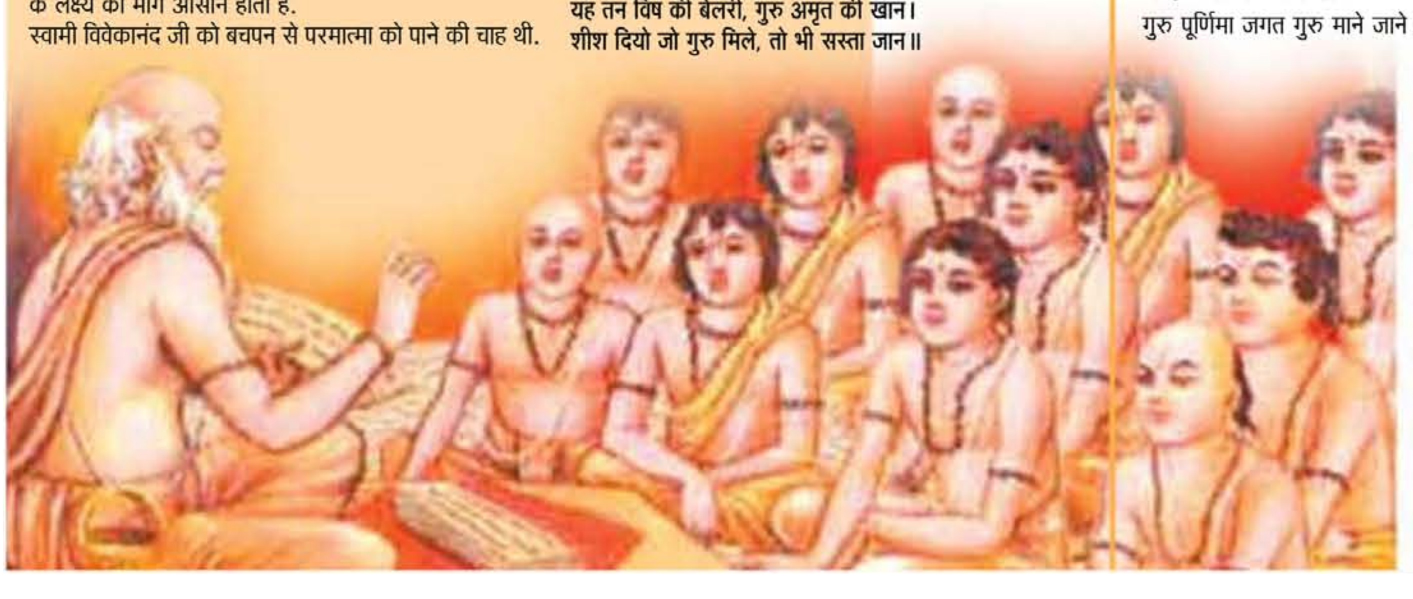

गुरु पूर्णिमा का महत्व

गुरु पूर्णिमा / व्यास पूर्णिमा / मुड़िया पूनों आषाढ़ मास की पूर्णिमा को कहा जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत की लाखों श्रद्धालु परिक्रमा देते हैं। बंगाली साधु सिर मुंडाकर परिक्रमा करते हैं क्योंकि आज के दिन सनातन गोस्वामी का तिरोभाव हुआ था। ब्रज में इसे मुड़िया पूनों कहा जाता है। आज का दिन गुरुङ्कपूजा का दिन होता है। इस दिन गुरु की पूजा की जाती है। पूरे भारत में यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वैसे तो व्यास नाम के कई विद्वान हुए हैं परंतु व्यास ऋषि जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, आज के दिन उनकी पूजा की जाती है। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यास जी ही थे। अत- वे हमारे आदिगुरु हुए। उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने-अपने गुरुओं को व्यास जी का अंश मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निश्शुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पण किया करते थे। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए।

वेद व्यास जयंती

गुरु पूर्णिमा जगत गुरु माने जाने वाले वेद व्यास को समर्पित है। माना जाता है कि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ मास की पूर्णिमा को हुआ था। वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना भी वेदव्यास ने आज ही के दिन की थी। वेद व्यास ने ही वेद ऋचाओं का संकलन कर वेदों को चार भागों में बांटा था। उन्होंने ही महाभारत, 18 पुराणों व 18 उप पुराणों की रचना की थी जिनमें भागवत पुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी शामिल है। ऐसे जगत गुरु के जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है।

गुरुपूर्णिमा का महत्व

गुरु के प्रति नतमस्तक होकर कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है गुरुपूर्णिमा। गुरु के लिए पूर्णिमा से बढ़कर और कोई तिथि नहीं हो सकती। जो स्वयं में पूर्ण है, वही तो पूर्णत्व की प्राप्ति दूसरों को करा सकता है। पूर्णिमा के चंद्रमा की भांति जिसके जीवन में केवल प्रकाश है, वही तो अपने शिष्यों के अंत-करण में ज्ञान रूपी चंद्र की किरणें बिखेर सकता है। इस दिन हमें अपने गुरुजनों के चरणों में अपनी समस्त श्रद्धा अर्पित कर अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करनी चाहिए। गुरु कृपा असंभव को संभव बनाती है। गुरु कृपा शिष्य के हृदय में अगाध ज्ञान का संचार करती है।

गुरु की महिमा

गुरु को गोविंद से भी ऊंचा कहा गया है। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है। 'व्यास' का शाब्दिक संपादक, वेदों का व्यास यानी विभाजन भी संपादन की श्रेणी में आता है। कथावाचक शब्द भी व्यास का पर्याय है। कथावाचन भी देश-काल-परिस्थिति के अनुरूप पौराणिक कथाओं का विश्लेषण भी संपादन है। भगवान वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, 18 पुराणों और उपपुराणों की रचना की। ऋषियों के बिखरे अनुभवों को समाजभोग्य बना कर व्यवस्थित किया। पंचम वेद 'महाभारत' की रचना इसी पूर्णिमा के दिन पूर्ण की और विश्व के सुप्रसिद्ध आर्ष ग्रंथ ब्रह्मसूत्र का लेखन इसी दिन आरंभ किया। तब देवताओं ने वेदव्यासजी का पूजन किया। तभी से व्यासपूर्णिमा मनायी जा रही है। ''तमसो मा ज्योतिगर्मय'' अंधकार की बजाय प्रकाश की ओर ले जाना ही गुरुत्व है। आगम-निगम-पुराण का निरंतर संपादन ही व्यास रूपी सद्गुरु शिष्य को परमपिता परमात्मा से साक्षात्कार का माध्यम है। जिससे मिलती है सारूप्य मुक्ति। तभी कहा गया- ''सा विद्या या विमुक्तये।'' आज विश्वस्तर पर जितनी भी समस्याएं दिखाई दे रही हैं, उनका मूल कारण है गुरु-शिष्य परंपरा का टूटना। श्रद्धावाल्लभते ज्ञानम्। आज गुरु-शिष्य में भक्ति का अभाव गुरु का धर्म ''शिष्य को लूटना, येन केन प्रकारेण धनार्जन है'' क्योंकि धर्मभीरुता का लाभ उठाते हुए धनतृष्णा कालनेमि गुरुओं को गुरुता से पतित करता है। यही कारण है कि विद्या का लक्ष्य 'मोक्ष' न होकर धनार्जन है। ऐसे में श्रद्धा का अभाव स्वाभाविक है। अन्तत: अनाचार, अत्याचार, व्यभिचार, भ्रष्टाचारादि कदाचार बढ़ा। व्यासत्व यानी गुरुत्व अर्थात् संपादकत्व का उत्थान परमावश्यक है।

व्रत और विधान

इस दिन (गुरु पूजा के दिन) प्रात-काल स्नान पूजा आदि नित्य कर्मों से निवृत्त होकर उत्तम और शुद्ध वस्त्र धारण कर गुरु के पास जाना चाहिए। गुरु को ऊंचे सुसज्जित आसन पर बैठाकर पुष्पमाला पहनानी चाहिए। इसके बाद वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर तथा धन भेंट करना चाहिए। इस प्रकार श्रद्धापूर्वक पूजन करने से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गुरु के आशीर्वाद से ही विद्यार्थी को विद्या आती है। उसके हृदय का अज्ञानता का अन्धकार दूर होता है। गुरु का आशीर्वाद ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी, ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए। इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

प्रात: घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं। घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए। फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए। तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए। फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए। अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए।

आषाढ़ की पूर्णिमा को ही क्यों

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मानने का क्या राज़ है? धर्म जीवन को देखने का काव्यात्मक ढंग है। सारा धर्म एक महाकाव्य है। अगर यह तुम्हें खयाल में आए, तो आषाढ़ की पूर्णिमा बड़ी अर्थपूर्ण हो जाएगी। अन्यथा आषाढ़ में पूर्णिमा दिखाई भी न पड़ेगी। बादल घिरे होंगे, आकाश खुला न होगा। और भी प्यारी पूर्णिमाएं हैं, शरद पूर्णिमा है, उसको क्यों नहीं चुन लिया? लेकिन चुनने वालों का कोई खयाल है, कोई इशारा है। वह यह है कि गुरु तो है पूर्णिमा जैसा, और शिष्य है आषाढ़ जैसा। शरद पूर्णिमा का चांद तो सुंदर होता है, क्योंकि आकाश खाली है। वहां शिष्य है ही नहीं, गुरु अकेला है। आषाढ़ में सुंदर हो, तभी कुछ बात है, जहां गुरु बादलों जैसा घिरा हो शिष्यों से। शिष्य सब तरह के हैं, जन्मों-जन्मों के अंधेरे को लेकर आ छाए हैं। वे अंधेरे बादल हैं, आषाढ़ का मौसम हैं। उसमें भी गुरु चांद की तरह चमक सके, उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी रोशनी पैदा कर सके, तो ही गुरु है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा! वह गुरु की तरफ भी इशारा है और उसमें शिष्य की तरफ भी इशारा है। और स्वभावत- दोनों का मिलन जहां हो, वहीं कोई सार्थकता है।

मानुषी ने बताया बॉलीवुड में कैसा रहा अब तक का सफर

मानुषी छिल्लर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मालिक' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। मानुषी को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। क्योंकि उनके तीन साल के बॉलीवुड करियर में एक भी हिट फिल्म नहीं है। ऐसे में 'मालिक' मानुषी के लिए काफी अहम फिल्म है।

अब तक बॉलीवुड जर्नी में अगर कुछ एक डिलीट करना हो, तो क्या करेंगी?

वैसे तो कुछ भी नहीं डिलीट करना चाहूंगी। क्योंकि हर एक पल ने कुछ न कुछ दिया है। उससे कुछ न कुछ सीखा है। हां, जब कोविड की वजह से लॉकडाउन लगा था, तब जरूर ये लगा था कि सब कुछ स्लो हो गया है। एक ठहराव आ गया है। वो भी इसलिए कि मैंने शुरू ही किया था और अचानक सब कुछ थम सा गया। हालांकि, उस वक्त उसकी जरूरत थी। लेकिन अंदर ही अंदर लगता था कि मैं और भी काम करना चाहती हूं। मेरी फिल्म जल्दी आए। मैं बस उस समय को थोड़ा कम करना चाहूंगी।

आपको अब तक बॉलीवुड ने कैसे ट्रीट किया है?

अभी तो शुरुआत हुई है। अभी तो सबकुछ अच्छा ही रहा है। जैसा किसी भी फील्ड में नए इंसान को ट्रीट किया जाता है, वैसा ही यहां मुझे किया जाता है। ऐसे भी लोग हैं, जिन्होंने मुझे बहुत अच्छा फील कराया है और मेरा साथ ही दिया है। कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्हें मैं और भी जानना चाहूंगी। मैं धीरे-धीरे समझ ही रही हूं।

अभी तक की बॉलीवुड की जर्नी से क्या सीख मिली है? कहानी को देखकर फिल्म करो या फिर एक्टर और बैनर देखकर?

हालांकि, फिल्म एक पूरा पैकेज होती है। लेकिन कहानी और एक्टर-बैनर में से किसी एक को चुनना हो तो बेशक कहानी ही सबसे महत्वपूर्ण है, ये मुझे अब समझ में आया है। लेकिन कहीं न कहीं आप चाहेंगे कि एक अच्छा प्रोड्यूसर हो, जो उस कहानी को अच्छे से पैकेज करे। एक अच्छा निर्देशक हो जो उस कहानी को अच्छे से दिखाए। इसलिए अच्छी फिल्म बनाने में हर चीज की अपनी भूमिका होती है। सिर्फ कोई एक चीज फिल्म को अच्छा नहीं बनाती।

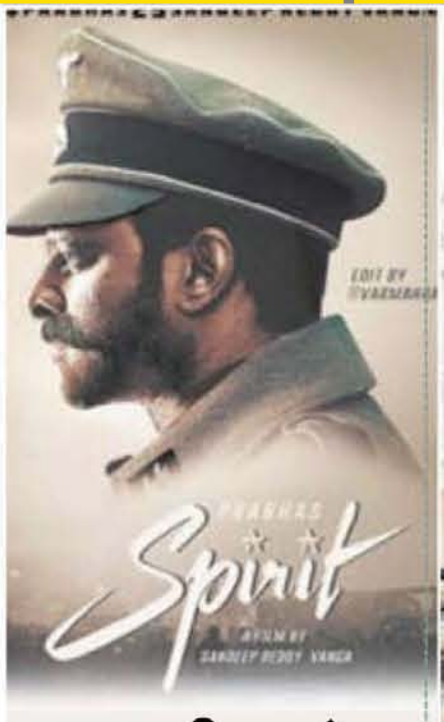

जल्द ही फ्लोर पर आएगी तृप्ति डिमरी-प्रभास की फिल्म स्पिरिट

साउथ एक्टर प्रभास अपनी आगामी फिल्म स्पिरिट में निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम कर रहे हैं। यह उनकी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। फिल्म ने अपनी घोषणा के बाद से ही प्रशंसकों में उत्साह पैदा कर दिया है।

कब रिलीज होगी फिल्म

एक खबर के मुताबिक, हाल ही में अमेरिका में एक इवेंट के दौरान संदीप के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि फिल्म की शूटिंग सितंबर 2025 से शुरू होगी। स्पिरिट प्रभास और संदीप का पहला सहयोग है। इसमें प्रभास के किरदार के लिए खास स्टाइल में बदलाव की जरूरत होगी। इसलिए, संदीप ने प्रभास से पूरी तरह समय मांगा है। फिल्म को एक ही शेड्यूल में शूट करने की योजना है, ताकि कहानी और किरदार की गहराई बनी रहे।

दीपिका नहीं होंगी फिल्म का हिस्सा

पहले खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण इस फिल्म का हिस्सा थीं, लेकिन शेड्यूल और समस्याओं के कारण उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसके बाद एनिमल फेम तृप्ति डिमरी को नई फीमेल लीड के रूप में चुना गया। तृप्ति की कास्टिंग को काफी सराहा जा रहा है। फिल्म की कहानी को अभी गुप्त रखा गया है। संदीप की यह फिल्म वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करेगी।

प्रभास का वर्कफ्रंट

स्पिरिट के अलावा प्रभास द राजा साब नाम की एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे, जो दिसंबर 2025 में रिलीज हो सकती है। यह फिल्म हल्की-फुल्की और मजेदार होगी। उनकी एक और फिल्म, जिसका नाम संभवतः फौजी है, निर्देशक हनु राघवपुडी के साथ है, जो देशभक्ति और ड्रामा पर आधारित हो सकती है। स्पिरिट के साथ प्रभास और संदीप एक ऐसी फिल्म लाने की तैयारी में हैं, जो एक्शन और भावनाओं से भरपूर होगी। सितंबर में शूटिंग शुरू होने के साथ फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

अपारशक्ति खुराना की तमिल सिनेमा में एंट्री

पीटीआई के अनुसार फिल्म 'रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' की शूटिंग इन दिनों चेन्नई में चल रही है। इस फिल्म का निर्देशन सूर्यप्रताप एस कर रहे हैं। इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में वह तमिल एक्टर गौतम कार्तिक के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं।

तमिल सिनेमा का हिस्सा बनकर खुश अपारशक्ति

तमिल फिल्म 'रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' का हिस्सा बनकर अपारशक्ति खुराना उत्साहित हैं। वह कहते हैं, 'मैं रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' के साथ तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत को लेकर एक्साइटेड हूं। फिल्म की कहानी काफी चुनौतीपूर्ण और अलग है। इस फिल्म की टैलेंटेड टीम के साथ काम करके काफी खुश हूं।' इस फिल्म के मेकर्स का भी कहना है, 'हम एक इमोशनल स्टोरी को साइंस फिक्शन, क्राइम थ्रिलर के साथ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

भाई के साथ फिल्मों में आए

अपारशक्ति खुराना के भाई आयुष्मान खुराना भी बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर हैं। अपारशक्ति, आयुष्मान से इंस्पायर हैं। दोनों भाइयों की बॉन्डिंग भी कमाल की है। दोनों भाई साथ ही मुंबई करियर बनाने आए। अपारशक्ति एक्टिंग में आने से पहले क्रिकेट में भी रुचि रखते थे। वह हरियाणा अंडर 19 क्रिकेट टीम के कैप्टन भी रह चुके हैं।

रावण के पुनर्जन्म की कहानी ला रहे प्रशांत नील और अल्लू अर्जुन, दीपिका होंगी हीरोइन!

रणबीर कपूर और यश के रामायण की पहली झलक आ गई है। नमित मल्होत्रा के प्रोडक्शन और नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म का 3 मिनट का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। यह फिल्म दो पार्ट में 2026 और 2027 की दिवाली पर रिलीज होगी। रामायण की पौराणिक कथा और किरदारों में अगर आपकी दिलचस्पी है, तो अब साउथ सिनेमा में भी एक ऐसी फिल्म आ रही है, जिसमें हमें दशानन रावण की अनकही कहानी देखने को मिलने वाली हैं। दिग्गज निर्माता दिल राजू ने प्रशांत नील और अल्लू अर्जुन के इस प्रोजेक्ट की पुष्टि की है। जबकि एक रिपोर्ट में फिल्म की कहानी को लेकर नया दावा किया गया है। सिनेफाइल मोहम्मद इहसान नाम के यूजर ने ङ्क पर इसकी जानकारी दी है। उनका कहना है कि रावणम फिल्म में रावण के पुनर्जन्म की कहानी दिखाई जाएगी। यह फिल्म बताएगी कि राक्षस राजा की मृत्यु के बाद उसके साथ क्या हुआ और उसकी आत्मा को कैसे ले जाया गया।

खूंखार गैंगस्टर के रूप में होगा रावण का पुनर्जन्म?

बताया जाता है कि फिल्म की कहानी में एक पैरलल यूनिवर्स यानी समानांतर ब्रह्मांड होगा, जिसमें रावण का पुनर्जन्म एक खूंखार अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर के रूप में होता है। हालांकि, अभी तक यह सिर्फ चर्चा ही है, क्योंकि निर्माताओं को ऐसी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

अक्षय खन्ना के साथ काम करना काफी शानदार रहा

अभिनेत्री अनुष्का लुहार अपनी आने वाली फिल्म अक्षरधाम - ऑपरेशन वज्र शक्ति की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। अनुष्का ने बताया कि अक्षय खन्ना के साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह सीनियर और टैलेंटेड अभिनेता हैं। उनके साथ काम करके काफी कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, अक्षरधाम-ऑपरेशन वज्र शक्ति की पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए एक काफी अच्छा और संतोषजनक अनुभव रहा। बचपन से ही मैं अक्षय खन्ना की फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं और उनकी फैन रही हूं। उनकी फिल्म 36 चाइना टाउन में उनका अभिनय मुझे बहुत पसंद आया था। अब जब मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला है, तो यह सपने जैसा लग रहा है और मेरे लिए वाकई में बहुत खास है। उन्होंने कहा, अक्षय सर सेट पर एक अलग ही शांति और एकाग्रता लेकर आते हैं। उनका तरीका बहुत प्रेरणादायक है। उन्हें काम करते हुए देखना, उनके समर्पण को महसूस करना अपने-आप में एक सीखने का अनुभव रहा है। उन्होंने अपने किरदार को सच्चाई और गहराई से निभाया है। इस फिल्म में पूरी टीम ने दिल से मेहनत की है, और ऐसे समर्पित और टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। अभिनेत्री ने निर्देशक केन घोष के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, केन घोष का शांत स्वभाव, अटूट समर्थन और उनकी दयालुता ने पूरी फिल्म बनाने की प्रक्रिया को बहुत आसान और मजेदार बना दिया। मैं पहले भी जी5 की एक वेब सीरीज में उनके साथ काम कर चुकी हूं। इस सीरीज के दौरान उन्होंने मुझे सेजल के किरदार के लिए चुना था। उन्होंने मुझे ऑडिशन देने के लिए प्रोत्साहित किया। मैं उनके इस विश्वास के लिए बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा, केन सर का धैर्य और उनका मिलनसार स्वभाव सेट पर सकारात्मक माहौल बनाता है। मैं उनके काम और हर प्रोजेक्ट में उनकी ईमानदारी की बहुत कदर करती हूं। उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी है, और मुझे सच में उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही भावनात्मक जुड़ाव महसूस होगा जो हमें फिल्म बनाते वक्त हुआ। मैं भविष्य में उनके साथ फिर से काम करना चाहूंगी। अक्षरधाम-ऑपरेशन वज्र शक्ति 2002 में गुजरात के अक्षरधाम मंदिर पर हुए आतंकी हमले और उसके बाद हुई आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन की कहानी पर आधारित है।

साईं पल्लवी मेरी तरह सीता नहीं बन सकतीं

रामानंद सागर की 'रामायण' में सीता का किरदार निभा चुकीं दीपिका चिखलिया आज भी करोड़ों लोगों के लिए 'सीता माता' हैं। हाल ही में जब नितेश तिवारी की नई फिल्म 'रामायण' का टीजर सामने आया, तो उन्होंने बातचीत में इस पर राय रखी। उन्होंने फिल्म के विजुअल्स की तारीफ की, लेकिन साथ ही इस बात की चिंता भी जताई कि कहीं रामायण के असली इमोशंस बड़े बजट और तकनीक के बीच खो न जाए।

टीजर भव्य है, पर आत्मा दिखाई नहीं दी

दीपिका चिखलिया ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे विजुअल इफेक्ट्स अच्छे लगे। लेकिन मेरी अपनी राय है कि रामायण सिर्फ ग्राफिक्स या टेक्नोलॉजी नहीं है। ये एक भावनाओं की कहानी है। टीजर देखकर कहानी का अंदाजा नहीं लगा, लेकिन इतना जरूर लगा कि ये काफी मॉडर्न लग रहा है। लाइटिंग, रंगों का टोन... सब थोड़ा नया जमाने जैसा महसूस हुआ। दीपिका ने कहा कि जब उन्होंने रामायण की थी, तब तकनीक बहुत सीमित थी, लेकिन लोगों ने उस शो से दिल से जुड़ाव बनाया था। अब जो टीजर देखा, उसमें भव्यता है, लेकिन मैं इंतजार कर रही हूं यह देखने का कि क्या उसमें वो इमोशंस हैं या नहीं।

रणबीर को देखा...और याद आ गए अरुण गोविल

जब दीपिका से पूछा गया कि रणबीर कपूर राम के रूप में कैसे लगे, तो उन्होंने कहा, जब मैंने रणबीर को राम के रूप में देखा, तो मुझे तुरंत अरुण गोविल की याद आ गई। मैं शायद कभी राम की जगह किसी और को देख ही नहीं पाऊंगी। वे 35-40 साल से हमारे लिए राम हैं।

साई पल्लवी मुझसे अलग होंगी, पर सीता को अच्छी तरह निभाएंगी

सीता के रोल में साई पल्लवी के चयन पर दीपिका ने कहा, वो एक बहुत अच्छी एक्ट्रेस हैं। मैंने उनकी मलयालम फिल्में देखी हैं। उनकी एक्टिंग बहुत नैचुरल होती है। मुझे पूरा भरोसा है कि वे सीता का किरदार अच्छे से निभाएंगी। हां, वो मुझसे अलग होंगी, लेकिन वो अपना काम अच्छे से करेंगी।

पहले से पहचाने चेहरे को भगवान मानना आसान नहीं होता

दीपिका ने बताया कि जब उन्होंने रामायण में काम किया था, तब लोगों ने उन्हें सच में देवी के रूप में देखना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, आज भी लोग मुझे और अरुण जी को राम-सीता ही मानते हैं। फर्क बस इतना है कि जब हम आए थे, तब हम बिल्कुल नए चेहरे थे। लोग हमें उसी रूप में स्वीकार कर पाए। लेकिन अब के कलाकार पहले से कई किरदार कर चुके हैं, इसलिए लोगों के लिए उन्हें भगवान के रूप में स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

राम जी को दशरथ के रूप में देखना आसान नहीं

नई फिल्म में अरुण गोविल दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं। इस पर दीपिका ने भावुक होकर कहा, जब मैंने सोशल मीडिया पर उन्हें दशरथ के रूप में देखा, तो दिल से यही निकला... ये तो राम जी हैं। उनके चेहरे पर वही शांति, वही छवि है। मुझे उन्हें दशरथ के रूप में देखना थोड़ा मुश्किल लगा।

रामायण में खुद को सिर्फ सीता के रूप में ही देख सकती हूं

दीपिका ने यह भी बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए किसी ने संपर्क नहीं किया। साथ ही उन्होंने खुद को किसी और किरदार में देखने से इनकार किया। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मैं सिर्फ सीता हूं। मैं खुद को किसी और रूप में रामायण में नहीं देख सकती। अगर महाभारत जैसा कुछ होता, तो सोचती। लेकिन रामायण में नहीं। रामायण को सिर्फ देखा नहीं, महसूस किया जाता है फिल्म के मेगा बजट (करीब 850 करोड़ रुपये) पर दीपिका ने कहा, रामायण सिर्फ एक कहानी नहीं है। यह रिश्तों और भक्ति की गहराई है। इसे दिखाने के लिए पैसे नहीं, भावना चाहिए। रामायण को महसूस करना होता है, सिर्फ देखना नहीं होता। मुझे बस ये डर है कि इतने बड़े बजट और भारी विजुअल्स में इमोशंस पीछे न रह जाएं। असली रामायण वही है, जिसमें भक्ति और भावनाएं हों।

मां की तरह प्रकृति के प्रति भी समर्पण जरूरी: सोमेंद्र तोमर

नोएडा (चेतना मंच)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नोएडा में भी बड़े स्तर पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत राज्य मंत्री तथा गौतमबुधनगर के प्रभारी मंत्री सोमेंद्र तोमर ने सेक्टर-43 में पौधारोपण किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रचा पौधारोपण का इतिहास : डॉ. महेश शर्मा

सेक्टर 43 में पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर ने कहा कि मां की तरह सभी का प्रकृति के प्रति भी समर्पण होना चाहिए। जिस तरह मां के चरणों में स्वर्ग होता है इसी तरह प्रकृति की गोद में भी स्वर्ग जैसी अनुभूति होनी चाहिए। प्रकृति जीवन दाहिनी होती है हर व्यक्ति को पौधा रोपण जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आज हम अपने पर्यावरण की रक्षा के लिए कदम उठाएंगे तो आने वाला भविष्य सुरक्षित रह पाएगा। उन्होंने जनमानस से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की।

इस अवसर पर गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री की सोच माँ के प्रति अगाद्य प्रेम को थीम बनाकर इस वर्ष 'एक पेड़ मां के नाम' से पौधा रोपण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन में 37 करोड़ पौध रोपण का अभियान चला कर इतिहास बनाया है। प्रकृति तथा जीवन से प्रेम करने वालों को पौधारोपण जरूर करना चाहिए।

इस मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि सरकार पौधारोपण अभियान को एक उत्सव के रूप में मना रही है। जिस तरह जनपद में पौधे लगाए जा रहे हैं यह प्रकृति तथा मानवता को एक अनुपम भेंट है।

इस अवसर पर इस दौरान जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा व विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश एवं वृक्षारोपण हेतु जिले के नोडल अधिकारी मुकेश कुमार मेश्राम, महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन भारत सरकार सुशील कुमार अवस्थी, रिटायर्ड अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन मनोज सिंह, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, रिटायर्ड प्रधान मुख्य संरक्षक वी.के. चोपड़ा एवं प्रभागीय वन अधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे।

यीडा ने लगाए 56 हजार से ज्यादा पौधे

नोएडा (चेतना मंच)। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा)ने बुधवार को बड़ा काम किया है। यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीईओ राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में यीडा ने उत्तर प्रदेश सरकार के बड़े अभियान में भाग लिया। यीडा के सीईआ राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पौधारोपण अभियान के तहत 56660 पौधे लगाए गए।

आपको बता दें कि बुधवार को पूरे उत्तर प्रदेश में पौधारोपण का एतिहासिक कार्यक्रम चलाया गया। पौधारोपण अभियान के लिए उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी विभागों को लक्ष्य दिए गए थे। यीडा को 44100 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया था। यीडा के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने लक्ष्य से अधिक पौधे लगाकर पौधारोपण अभियान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यीडा के क्षेत्र में कुल 56660 पौधे लगाए गए। यीडा के क्षेत्र में पौधारोपण अभियान की शुरूआत यीडा के सेक्टर-32 से की गई। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान जेवर विधानसभा क्षेत्र के विधायक धीरेन्द्र सिंह, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नगेन्द्र प्रताप सिंह, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी कपिल सिंह, विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया व शैलेन्द्र कुमार सिंह, वरिष्ठ स्टाफ ऑफिसर नंदकिशोर, महाप्रबंधक (परियोजना) राजेन्द्र सिंह भाटी, महाप्रबंधक (वित्त) अशोक कुमार सिंह, उप महाप्रबंधक (वित्त) आलोक कुमार राय एवं उद्यान निदेशक आनंद मोहन सिंह एवं प्राधिकरण के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नोएडा सेक्टर-9 ई- ब्लॉक पार्क में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत पौधारोपण महाअभियान में थाना फेस- वन प्रभारी एवं हॉर्टिकल्चर विभाग के सहयोग से लगभग 200 पौधे नीम, पीपल, बरगद, अमरुद, नींबू इत्यादि का पौधारोपण किया गया। लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। इस आयोजन में नोएडा एसोसिएशन सेक्टर- 9 के सभी पदाधिकारी सम्मिलित हुए। वहीं सेक्टर-12 में एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह एसीपी कार्यालय के बाहर पौधारोपण करते हुए।

'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' महाभियान के अंतर्गत आज लखनऊ में नगर निगम लखनऊ की सहभागिता से आयोजित कार्यक्रम में नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज सिंह ने लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खरकवाल के साथ सम्मिलित होकर पौधारोपण किया। लखनऊ में नगर निगम द्वारा 1,37,000 पौधों का रोपण किया गया।

जनशक्ति सेवा समिति की मासिक बैठक में 6 प्रस्ताव पारित

पदाधिकारियों ने किया पौधारोपण

नोएडा (चेतना मंच)। बुधवार को सेक्टर -50 स्थित कार्यालय पर समिति की मासिक बैठक हुई। बैठक में शहर की विभिन्न समस्याओं पर विचार किया गया। बैठक में छह प्रस्ताव पास किए गए। जिसमें नोएडा क्षेत्र के नालों की सफाई और खुले नाले ढकने,वेंडर जोन से यातायात को होने वाली परेशानियों, नोएडा क्षेत्र के चौराहों पर लगने वाले जाम से छुटकारा,स्कूल छुट्टी के समय होने वाली यातायात समस्या, मच्छर मारने वाली दवा का छिड़काव कराने,सेक्टर-22 के बी ब्लॉक के पार्कों में पेड़ों की छटाई कराने आदि मुद्दे शामिल थे।इसका ज्ञापन प्राधिकरण सीईओ और पुलिस कमिश्नर को भी दिया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम पर लगाए।इस अवसर पर समिति के संरक्षक पूर्व कमिश्नर तनवीर जफर अली व जे एस अरोड़ा, चेयरमैन रविकांत मिश्रा, अध्यक्ष नरेंद्र चोपड़ा, महासचिव शिव लाल, उपाध्यक्ष राजेश अवाना, कोषाध्यक्ष संजीव कौशिक आदि मौजूद रहे।

जेवर एयरपोर्ट के 10 किमी के दायरे में एनओसी के बिना भवन निर्माण प्रतिबंधित

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर हेतु पर्यावरण प्रबंधन समिति (AEMC) की द्वितीय महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

बैठक में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सीओओ किरण जैन, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी सहित जिला प्रशासन एवं जेवर एयरपोर्ट परियोजना से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सीओओ किरण जैन द्वारा पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से हवाई अड्डे के 10 किलोमीटर के दायरे में पर्यावरणीय परिस्थितियों और विमान संचालन से जुड़े खतरों की जानकारी से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डों के दायरे में पक्षियों और जानवरों की उपस्थिति विमान सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है, जिसे नियंत्रित करना आवश्यक है। उन्होंने एनओसी रहित निर्माणों की पहचान कर उन पर कार्रवाई करने, भवन निर्माण को विनियमित करने, स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर सर्वेक्षण शुरू करने, एवं बाधा नियंत्रण समिति गठित करने के प्रस्ताव रखे।

बैठक की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने हवाई अड्डे के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने, मृत पशु, कूड़ा जैसी सामग्री न फेंकने और न जमा होने देने के निर्देश दिए, ताकि इससे पक्षी या जानवर न आकर्षित हों और विमान संचालन में कोई बाधा न उत्पन्न हो। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को एईएमसी सदस्यों के साथ मासिक निरीक्षण करने, अद्यतन जानकारी साझा करने एवं बैठक अध्यक्ष को समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि हवाई अड्डे के निकट बिना एनओसी के लेजर उत्सर्जकों और ड्रोन गतिविधियों संचालित न हो इसके लिए कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नोएडा में पालतू कुत्तों से बुजुर्गों को खतरा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के आवासीय सेक्टरों में पालतू कुत्तों द्वारा बच्चों के साथ अन्य लोगों पर किए जा रहे हमले की खबरें अक्सर आती हैं। लेकिन इन पालतू व आवारा कुत्तों से सबसे ज्यादा खतरा सेक्टर में रहने वाले बुजुर्ग लोगों को है। इस चिंता को लेकर अरुण विहार रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-37 की उपाध्यक्ष ने नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम हेल्थ जन स्वास्थ्य को एक पत्र लिखकर आवासीय सेक्टर में डॉग पॉलिसी को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की है।

अरुण विहार रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-37 की उपाध्यक्ष श्रीमती कविता जमील ने नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग के डीजीएम को एक पत्र लिखा है। पत्र उन्होंने कहा है कि नोएडा में बड़ी संख्या में वृद्ध लोग रहते हैं जिनकी उम्र 75 वर्ष या उससे अधिक है। अचानक आवारा या पालतू कुत्तों द्वारा हमले किए जाने की स्थिति में यह बुजुर्ग लोग अपने को बचा नहीं पाते। जिससे इन बुजुर्गों में भय बना हुआ है। उन्होंने मांग की है कि आवासीय सेक्टर में डॉग पॉलिसी को सख्ती से लागू किया जाए और आवारा तथा पालतू कुत्तों के आक्रमण से बुजुर्गों की सुरक्षा की जाए।

पत्र में एसोसिएशन की उपाध्यक्ष श्रीमती कविता जमील ने कहा है कि पालतू कुत्तों के मालिक नियमों का पालन नहीं करते हैं जिसके कारण अक्सर पालतू व आवारा कुत्तों के शिकार लोग बन जाते हैं।

नोएडा में खतरनाक नस्ल के कुत्तों के खिलाफ भी कुछ सख्त कदम नहीं उठाया जाता है। पिटबुल जैसे आक्रमांक नस्लों के कुत्ते लोगों ने अपने घरों में पाल रखे हैं। उन्होंने मांग की है कि आरडब्ल्यूए को अधिकार देना चाहिए कि यदि आवासीय सेक्टर में कोई भी खतरनाक किस्म का कुत्ता पाल गया हो और खुला घूमता है तो उसे पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने आवासीय सेक्टरों में गेट, पार्क और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर डॉग पॉलिसी को लेकर बड़े बोर्ड लगाने की भी मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस बोर्ड पर डॉग पॉलिसी को लेकर नियम तथा जुर्माना आदि का विवरण होना चाहिए साथ ही पालतू कुत्तों के मालिकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके कुत्तों का पंजीकरण हो। प्राधिकरण से रजिस्टर्ड कुत्तों के लिए गले में पहचनने वाला एक विशेष कॉलर टैग जारी किया जाना चाहिए।

उन्होंने शहर में आवारा कुत्तों की समस्या का भी निदान करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जो लोग इन आवारा कुत्तों को नियमित रूप से खाना खिलाते हैं उन्हें उनकी देखभाल जैसे टीकाकरण, नसबंदी और नियंत्रण की जिम्मेदारी दी जाए।

कांवड यात्रा मार्ग पर व्यवस्था हो चाक चौबंद : डीएम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में श्रावण मास के दौरान चलने वाले कांवड़ यात्रा को ध्यान में रखते हुए डीएम मनीष कुमार वर्मा ने तहसील जेवर के ग्राम खेड़ा भाईपुर में स्थित प्राचीन नानकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर सर्वप्रथम पूजा अर्चना कर, यात्रा मार्गों एवं तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया की कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न हो। साफ सफाई, पेयजल व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, विद्युत आपूर्ति, सीसीटीवी कैमरे तथा सुरक्षा व्यवस्था जैसी सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान देते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त कर लिया जाए।

उन्होंने कावड़ मार्गों पर सड़क मरम्मत, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय की उपलब्धता एवं प्राथमिक उपचार केंद्रों की स्थापना की स्थिति की समीक्षा की और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर मंदिर समिति के प्रबंधकों के साथ बैठक करते हुये कहा कि कावड़ यात्रा एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए उनके द्वारा भी श्रद्धालुओं के लिए सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप पूर्ण कर ली जाएं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी के साथ उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, एसीपी सार्थक सैंगर, वन विभाग से अनामिका, मंदिर समति के पदाधिकारीगण एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।